भाद्रपद शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 36 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 29-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी

6 ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

7 अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल

फर्स्ट टेक

संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में शांति सेना को समाप्त करने का निर्णय लिया

संयुक्त राष्ट्र, 28 अगस्त (एपी) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी इजराइल की मांगों को स्वीकार करते हुए दक्षिणी लेबनान में लगभग पांच दशक बाद संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को समाप्त करने के लिए बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से निर्णय लिया। दक्षिणी लेबनान से सेना को 2026 के अंत तक हटा लिया जाएगा। 'लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल' (यूएनआईएफआईएल) का गठन 1978 में इजराइल के आक्रमण के बाद किया गया था। उसका उद्देश्य दक्षिणी लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करना था और 2006 में इज़राइल तथा उग्रवादी समूह हिज़्बुल्ला के बीच एक महीने तक चले युद्ध के बाद इसके मिशन का विस्तार किया गया।

इजराइल ने यमन की राजधानी पर हमला किया

काहिरा, 28 अप्रैल (एपी) इजराइल ने बृहस्पतिवार को यमन की राजधानी सना पर हमला किया। हूती के मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले रविवार को इजराइली सेना ने सना पर हमला किया था जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे। बृहस्पतिवार को निवासियों ने शहर के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में तेज़ धमाकों की सूचना दी। इजराइली सेना ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। यह हमला उस समय हुआ जब हूतियों का अल-मसीरा सैटेलाइट समाचार चैनल विद्रोहियों के शीर्ष नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती का रिकॉर्ड किया गया भाषण प्रसारित कर रहा था। इजराइली सेना ने ईरान समर्थित हूतियों द्वारा उसकी की ओर दागे गए ड्रोन को मार गिराया था जिसके कुछ घंटो बाद यहूदी देश ने सना पर हमला किया।

कपास पर आयात शुल्क की छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट इस वर्ष 31 दिसंबर तक बढ़ाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए, केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट को 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने घरेलू वस्त्र उद्योग क्षेत्र के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने के लिए, केंद्र सरकार ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास पर आयात शुल्क में अस्थायी छूट दी थी।

29-08-2025 सूर्यास्त 6:32 बजे | 30-08-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,080.57	24,500.90
(-705.97)	(-211.15)

सोना	चांदी
10,508 रु.	119,536 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

जन धन योजना ने लोगों को दिया अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपए की राशि जमा है।
- जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर गुरुवार को कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया।

प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये मोदी ने लिखा, 'जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है। इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी।'

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़

बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है। जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गईं। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं।

संघ किसी पर हमले में विश्वास नहीं रखता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि संघ धार्मिक आधार पर किसी पर हमला करने में विश्वास नहीं रखता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि इस्लाम नहीं रहेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के दौरान एक सवाल के जवाब में, भागवत ने कहा कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती शामिल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हिंदू आत्मविश्वास की कमी के कारण असुरक्षित हैं। कोई भी हिंदू यह नहीं सोचता कि इस्लाम नहीं रहेगा। हम पहले एक राष्ट्र हैं... आरएसएस किसी पर भी हमला करने में विश्वास नहीं रखता, धार्मिक आधार पर भी।'' भागवत ने यह भी कहा कि सड़कों और जगहों का नाम 'आक्रांताओं' के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि उनका नाम मुसलमानों के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए, लेकिन उनका नाम आक्रांताओं के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए।'' भागवत ने कहा कि आरएसएस संविधान के तहत आरक्षण नीतियों का पूरा समर्थन करता है और जब तक जरूरत होगी, इस व्यवस्था का समर्थन करता रहेगा।

तीन बच्चों, तीन भाषाओं का समर्थन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि सभी भारतीयों को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिए, जिनमें उनकी मातृभाषा, उनके राज्य की भाषा और पूरे देश के लिए एक संपर्क भाषा शामिल होनी चाहिए, जो विदेशी नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए।

भाषाओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारतीय मूल की सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं और इस पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, संवाद के लिए एक संपर्क भाषा होनी चाहिए, लेकिन वह विदेशी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सभी को मिलकर एक साझा संपर्क भाषा तय करनी चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि आरएसएस अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं है।

नए भाजपा प्रमुख के चयन पर भागवत

हम फैसला नहीं करते, अगर करते तो क्या इतना समय लगता:

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने इस आम धारणा को ''पूरी तरह गलत'' बताते हुए खारिज कर दिया कि उनका संगठन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए ''सब कुछ'' तय करता है। उन्होंने कहा कि सुझाव पार्टी को दिए जाते हैं, लेकिन फैसले पार्टी लेती है। भागवत ने यह भी कहा कि भाजपा के नए प्रमुख के चयन में आरएसएस की कोई भूमिका नहीं है। भागवत ने कहा कि आरएसएस और भाजपा नीत सरकार के बीच कोई मतभेद नहीं है, चाहे वह केंद्र में हो या पार्टी द्वारा शासित राज्यों में।

गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा में शामिल करने पर दिया जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ जोड़ने का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में रहना नहीं बल्कि देश की परंपराओं के बारे में सीखना है।

भागवत ने कहा कि वह संस्कृत को अनिवार्य बनाने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन देश की परंपरा और इतिहास को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, वैदिक काल के प्रासंगिक 64 पहलुओं को पढ़ाया जाना चाहिए। गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए, न कि उसे प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

आरएसएस सरसंघचालक ने कहा कि मुख्यधारा को गुरुकुल शिक्षा से जोड़ा जाना चाहिए, जिसका मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल के समान है। उन्होंने कहा, शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी देश फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेश से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है... इसलिए गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में जाकर रहना नहीं है, इसे मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में श्रीलंका का विशेष महत्व

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को 'श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ' के 24 सदस्यीय शिष्टमंडल से मुलाकात की और कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में श्रीलंका का विशेष महत्व है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने इस शिष्टमंडल से संसद भवन मे औपचारिक भेंट की। इस शिष्टमंडल का नेतृत्व श्रीलंका के स्वास्थ्य एवं जनसंचार मंत्री तथा श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष डॉ. नलिन्दा जयतिस्सा ने किया। बैठक के दौरान बिरला ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध रहे हैं। यह संबंध आज एक मजबूत बहुआयामी साझेदारी में बदल चुके हैं। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'विजन सागर' में श्रीलंका का विशेष महत्व है।

लोकसभा अध्यक्ष ने भारत और श्रीलंका के बीच हाल के वर्षों में हुए उच्चस्तरीय दौरों का उल्लेख करते हुए बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अप्रैल, 2025 की श्रीलंका यात्रा और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिसंबर, 2024 की भारत यात्रा को दोनों देशों के संबंधों में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि श्रीलंका की वर्तमान संसद में 'भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री संघ' की स्थापना द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का स्पष्ट प्रमाण है।

सिम कार्ड अवैध बिक्री मामला:

एयरटेल का क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक और दो अन्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले सहित विभिन्न साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सिम कार्डों की कथित अनधिकृत बिक्री के लिए असम के सिलचर से 'एयरटेल' के एक क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक (टीएसएम) को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने बुधवार को असम के कछार में पांच ठिकानों पर छापेमारी कर टीएसएम देबाशीष डोले, बिचौलियों माहिम उद्दीन बरभुइया और आशिम पुरकायस्थ को गिरफ्तार किया।

डोले की गिरफ्तारी के संबंध में पूछे गए सवालों पर एयरटेल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। सीबीआई ने इस साल मई में डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 'पॉइंट-ऑफ-सेल्स' ऑपरेटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भारत के विभिन्न भागों में बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के विभिन्न भागों में बृहस्पतिवार को बारिश और नदियों में उफान के कारण सामान्य जनजीवन बुरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया, कई सड़कें और पुल बह गये और कई गांव जलमग्न हो गये तथा बचावकर्मियों को बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

उत्तर में हिमाचल प्रदेश से लेकर दक्षिण में केरल तक, बारिश के कारण नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया और रिहायशी इलाकों एवं कृषि क्षेत्रों में पानी भर गया। हालांकि, कश्मीर में दो दिनों के बाद बारिश में कमी आने से बाढ़ का खतरा कम हो गया है, जिससे राहत मिली है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने बताया कि हैदराबाद मंडल में विभिन्न स्थानों पर पटरियां जलमग्न होने के कारण 69 ट्रेनें रद्द कर दी गईं।

कर्नाटक के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किए। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है और कई जिलों में अधिकारियों ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

हिमाचल प्रदेश में, अधिकारियों ने बताया कि रावी नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण कांगड़ा जिले के सुदूर बड़ा बंगाल गांव में कई सरकारी इमारतें बह गयीं। उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

कश्मीर में बाढ़ का खतरा बृहस्पतिवार को कम हो गया है क्योंकि मौसम में सुधार के साथ ही झेलम नदी एवं अन्य जलाशयों में जलस्तर कम होने लगा है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 12 घंटों में कश्मीर घाटी में बहुत कम बारिश हुई है।

पंजाब के विभिन्न जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत अभियान बृहस्पतिवार को जारी रहा, हालांकि कई गांव तथा निचले इलाके अब भी जलमग्न हैं।

उत्तर प्रदेश में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण उत्तर प्रदेश के वाराणसी के घाटों पर दैनिक आरती और दाह संस्कार सहित सामान्य गतिविधियां बाधित हुईं।

भगवान महावीर के क्षमा संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें : नरेशमुनि

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में सामूहिक क्षमापना समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मागड़ी रोड स्थित गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर के उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनिजी व शालिभद्र मुनि जी के सान्निध्य में सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम बुधवार को मनाया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनि जी ने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद और क्षमा के महान सिध्दांतों को जीवन में अपनाने पर ही समस्त विश्व में सुख शांति, समृद्धि और खुशहाली की स्थापना हो सकती है। मानव गलतियों का पुतला है और उससे भूल हो जाना स्वाभाविक है लेकिन उन गलतियों, भूलों का परिमार्जन करना भी जरूरी है। क्षमावाणी, संवत्सरी महापर्व का यही संदेश है कि क्षमा करें और क्षमा मांगें्। उन्होंने करकन्डू मुनि, उदायन राजा और चन्डकौशिक सर्प व महान मोक्षगामी आत्मा अर्जुनमाली व क्षमा के सागर गजसुकुमाल मुनि के जीवन के प्रेरणादायी कथानकों पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव को इन महापुरुषों के जीवन से क्षमा गुण को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए्। नरेश मुनि जी ने सभी श्रद्धालुओं के सुखी जीवन की कामना करते हुए पांच मंगलिक पाठ प्रदान किया।शालिभद्र मुनि जी ने कहा कि क्षमा वीरों का गहना है। आज का विश्व मैत्री दिवस का यही संदेश है कि सबको क्षमा, सबसे क्षमा। सबको क्षमा करके मानव को अपने हृदय की विशालता और विराटता का परिचय देना चाहिए्। तभी सच्चे अर्थों में आपका संवत्सरी महापर्व, क्षमापना दिवस मनाना सार्थक होगा। उन्होंने इस अवसर पर साध्वी डॉ श्री दर्शनप्रभाजी के गुणों एवं समाज कल्याण की दिशा में किए गए महान कार्यों और असीम उपकारों के प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट किए्। उन्होंने संत एवं साध्वी मंडल की ओर से गुरु ज्येष्ठ पुष्कर युवा, महिला,युवती,बालिका समिति एवं सभी श्रद्धालुओं से हार्दिक क्षमा याचना की। साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी , तरुणशीलाजी, डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धिश्रीजी, सिद्धमश्रीजी आदि ने भी क्षमावाणी पर्व पर अपने प्रासंगिक उद्गार व्यक्त किए्। अष्ट दिवसीय नवकार महामंत्र अखण्ड जाप मंगल कलश की बोली का लाभ प्रवीणकुमार रतनकुमार सकलेचा परिवार ने लिया। साथ में 5 नवकार चांदी की जाप माला की बोली का लाभ भी पांच गुरु भक्त दानवीर परिवारों ने लिया। संतों के सान्निध्य में 21 मासखमण तप एवं करीबन 570 से अधिक अट्ठाई तप हुए्। सभी तपाराधकों का सम्मान महावीरचन्द श्रीपाल सुदर्शन मेहता परिवार द्वारा किया गया। तपस्वियों के पारणे एवं संपूर्ण चातुर्मास की गौतम प्रसादी के लाभार्थी मीठालाल भरतकुमार भंसाली परिवार एवं समिति के अध्यक्ष नेमीचंद कमलेशकुमार सालेचा परिवार ने रहे। धर्म सभा में वैरागी लवेश सिंघवी का 11 की तपस्या करने पर सम्मान किया। समिति के महामंत्री महावीर चन्द मेहता ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

गणेश उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भैरवेश्वरानगर के नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भगवान गणेश को मंदिरों से चौराहे पर लाकर देशवासियों को संगठित करने का कार्य किया था। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दिल्ली में 'यू-स्पेशल' बसों की वापसी, 67 डीयू कालेजों को सेवाएं देंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों की जरूरतों के अनुकूल यात्रा का विकल्प मुहैया कराने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'यू-स्पेशल' बस सुविधा फिर से शुरू कर दी।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार छात्रों को मेट्रो ट्रेनों में यात्रा के लिए रियायती 'पास' उपलब्ध कराने के बारे में गंभीरता से काम कर रही है। 'यू-स्पेशल' बस सेवा 25 बसों के साथ शुरू की गई है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 67 कालेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक जाएंगी। ये इलेक्ट्रिक बसें 25 से अधिक मार्गों पर परिचालित होंगी और मेट्रो स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर रुकेंगी।

गुप्ता ने कहा, जहां पिछली सरकार 'यू-टर्न' लेती थी, वहीं हमारी सरकार हमेशा आगे की ओर अग्रसर रहती है और दिल्ली को आगे ले जाती है। उन्होंने कहा कि 'यू-स्पेशल' बसें विश्वविद्यालय की जीवन रेखा हुआ करती थीं, जिसमें हजारों छात्र अपने कालेजों तक आना-जाना करते थे लेकिन यह सेवा बंद कर दी गई। गुप्ता ने कार्यक्रम में कहा, मैंने 1998 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद विश्वविद्यालय छोड़ दिया था और उस समय बसें चलना बंद हो गई थीं। अब मैं फिर विश्वविद्यालय लौट रही हूं और मेरे साथ यह बसें भी हैं। 'एक्स' पर एक हिंदी पोस्ट में गुप्ता ने बसों में यात्रा के अपने समय को याद किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, यह सिर्फ एक बस नहीं है बल्कि दोस्ती, गपशप और हंसी की एक चलती-फिरती दुनिया है। जहां हम सीढ़ियों पर बैठकर अंताक्षरी खेलते थे, आज आप एफएम सुनेंगे लेकिन भावनाएं वही रहेंगी।

गणेशोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य आशाराम बसंतकुमार सारड़ा परिवार द्वारा बुधवार को गणेश चतुर्थी के मौके पर अपने शांतिनगर निवास पर गणेशोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 'ऑपरेशन सिन्दूर' की थीम पर भगवान गणेश का दरबार लगाया गया। स्वयं आशाराम सारड़ा, हरिकिशन सारड़ा, दिनेश तुलस्यान सहित अनेक भजन गायकों ने विभिन्न देवी देवताओं के एक से बढ़कर एक मधुर भजन प्रस्तुत किए्। इस महोत्सव में विभिन्न समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने पर इंडिगो की सूरत-दुबई उड़ान का मार्ग बदला गया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के सूरत से दुबई जा रहे इंडिगो के एक विमान को बृहस्पतिवार को तकनीकी खराबी आने पर अहमदाबाद में सुरक्षित उतार दिया गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विमान में लगभग 150 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि सूरत हवाई अड्डे से सुबह लगभग साढ़े नौ बजे उड़ान भरने वाला विमान मार्ग परिवर्तित होने के बाद पूर्वाह्न लगभग 11 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय (एसवीपीआई) हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। अधिकारी ने बताया कि इंडिगो ने यात्रियों के लिए एक और उड़ान की व्यवस्था की।

हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया, बीच उड़ान में कुछ तकनीकी खराबी के कारण सूरत से दुबई जा रहे इंडिगो के विमान को अहमदाबाद मोड़ दिया गया। लगभग 150 यात्रियों के साथ विमान लगभग 11 बजकर 40 मिनट पर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। विमान को आपात स्थिति में नहीं उतारा गया। उन्होंने बताया, बाद में इंडिगो ने यात्रियों के लिए एक और विमान का इंतजाम किया। वह विमान अपराह्न करीब पौने दो बजे दुबई के लिए रवाना हुआ। जिस विमान को यहां उतारा गया था, उसका अब विमान इंजीनियरों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण देने पर सभी राजनीतिक दल एकमत : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर सभी राजनीतिक दल एकमत हैं और विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका तीनों मिलकर इसे लागू कराने के लिए संयुक्त प्रयास करेंगे।

कांग्रेस ने इसे अपनी जीत बताते हुए कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर उसकी मांग पर आखिरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को झुकना पड़ा। इससे पहले, मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर कई मौकों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला, जिसके बाद यह मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा, जहां यह लंबित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है और 22 सितंबर से इसकी रोजाना सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि अदालत में अलग-अलग वकील बहस कर रहे हैं। यादव ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर उनकी अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने हिस्सा लिया।

रूसी तेल की खरीद से भारत को महज 2.5 अरब डॉलर का शुद्ध वार्षिक लाभः रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल आयात करने से भारत को होने वाला वार्षिक शुद्ध लाभ महज 2.5 अरब डॉलर है, जो पहले जताए गए 10 से 25 अरब डॉलर के अनुमान से बहुत कम है। एक शोध रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल के आयात से भारत को होने वाला लाभ मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। हमारे अनुमान के मुताबिक, यह लाभ भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का सिर्फ 0.06 प्रतिशत यानी करीब 2.5 अरब डॉलर है।

फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से तेल आयात तेजी से बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने कुल 54 लाख बैरल प्रतिदिन तेल आयात में से 36 प्रतिशत यानी 18 लाख बैरल प्रतिदिन तेल को रूस से आयात किया। यूक्रेन युद्ध से पहले यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम था।

जन धन खातों की संख्या बढ़कर 56.16 करोड़ हुई, 2.68 लाख करोड़ रुपए जमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खोले गए खातों की संख्या 11 वर्ष में बढ़कर 56.16 करोड़ हो गई है। इन खातों में 2.68 लाख करोड़ रुपए जमा किए गए। वित्त मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पीएमजेडीवाई के तहत खातों की संख्या मार्च 2015 के 14.72 करोड़ से बढ़कर 13 अगस्त 2025 तक 56.16 करोड़ हो गई है। पीएमजेडीवाई खाताधारकों में 56 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। वहीं 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे 45 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। भारत की 94 प्रतिशत वयस्क आबादी का अब बैंक खाता है। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को की गई थी। इस योजना के तहत खोले गए खातों में शून्य राशि सुविधा, मुफ्त रुपे कार्ड, दुर्घटना बीमा और 'ओवरड्राफ्ट' सुविधा मिलती है।

सरकार मराठों और ओबीसी के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धः फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मराठा आरक्षण के लिए नए आंदोलन की आशंका का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार मराठा और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का इरादा दोनों समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का नहीं है।

मराठा नेता मनोज जरांगे शुक्रवार से मुंबई में आरक्षण के लिए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने वाले हैं। जरांगे सभी मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र हो जाएंगे, लेकिन ओबीसी नेता इसका विरोध कर रहे हैं। कुनबी, ओबीसी श्रेणी में शामिल एक कृषि प्रधान जाति है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम ओबीसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे और मराठों को पता होगा कि मेरी सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए काम किया है। हमारी सरकार द्वारा (मराठों को) दिया गया आरक्षण अब भी कानूनी रूप से मान्य है। फडणवीस ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए अन्य राज्यों में आरक्षण के मुद्दे हल हो गए हैं, लेकिन महाराष्ट्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर दृष्टिकोण अब भी सकारात्मक नहीं है। उन्होंने कहा कि मराठों को पहले से ही 10 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है और अब भी आरक्षण की मांग है। उन्होंने कहा कि ओबीसी में 350 से अधिक उपजातियां हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, फिर भी हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि प्रदर्शनकारियों का क्या कहना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपने विचार रखने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किए गए विरोध प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार मराठा विरोध को एक सामाजिक घटना के रूप में देखती है, न कि एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में।

पर्यटकों की भीड़ के कारण आतंकियों ने बैसरन घाटी को निशाना बनाया : एनआईए

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना हमले के लिए आतंकवादियों ने बैसरन घाटी को इसलिए चुना था क्योंकि वहां पर्यटकों की भारी भीड़ होती है और यह अपेक्षाकृत एकांत में स्थित है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एनआईए अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल को हुए इस आतंकवादी हमले में ''तीन आतंकवादी'' सीधे तौर पर शामिल थे। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जांच कर रही एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिक्रिया समय को ध्यान में रखते हुए भी लक्ष्य का चयन किया गया था। आतंकवादियों ने बैसरन को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वहां ''पर्यटकों की संख्या'' अधिक रहती है और यह अपेक्षाकृत एकांत में स्थित है तथा उन्हें यह भी लगता था कि ''सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जवाबी कार्रवाई किए जाने में समय लगेगा''। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम निवासी बशीर अहमद जोथर ने बताया कि तीनों हमलावर प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबद्ध पाकिस्तानी नागरिक हैं।

दुर्लभ खनिज से उद्योग प्रभावित, इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण पर असरः टीवीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुर्लभ खनिज चुंबको की आपूर्ति की कमी से पूरा उद्योग प्रभावित है और इसके कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की मात्रा पर असर पड़ा है।

कंपनी के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को पेश करने के दौरान टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष (भारत 2डब्ल्यू बिजनेस) गौरव गुप्ता ने एक ऑनलाइन 'कॉन्फ्रेंस कॉल' में संवाददाताओं से कहा, इस समस्या ने पूरे उद्योग को प्रभावित किया है। लगभग हर कंपनी पर इसका असर पड़ा है। फिलहाल, इसका कोई साफ समाधान नहीं दिख रहा है। हम सभी को इस आपूर्ति की कमी का हर दिन सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, टीवीएस ऑर्बिटर पेश किया। इसकी कीमत 99,900 रुपए है। नए पेश किए गए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर के बारे में गुप्ता ने कहा कि इसे घरेलू और वैश्विक, दोनों बाजारों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है और कंपनी उचित समय पर इसका निर्यात करने पर विचार करेगी। उन्होंने बताया कि टीवीएस ने नए मॉडल के विकास में लगभग 125 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसकी शुरुआत बेंगलूरु से होगी और चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में पेश किया जाएगा। दुर्लभ खनिज चुंबक को लेकर टीवीएस मोटर कंपनी और उद्योग जगत की अन्य कंपनियां इस चुनौती से निपटने के लिए और 'प्रधानमंत्री ई-ड्राइव' और पीएलआई योजनाओं में घरेलू मूल्य संवर्धन आवश्यकताओं से छूट प्राप्त करने के उद्देश्य से सरकार से बातचीत कर रही हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी ने इस मुद्दे पर सरकार के साथ चर्चा की है और प्रधानमंत्री ई-ड्राइव और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई)' योजनाओं के लिए घरेलू मूल्यवर्धन आवश्यकताओं के लिए छूट मांगी है, टीवीएस मोटर कंपनी के वैश्विक उत्पाद योजना और डिजाइन के कार्यकारी उपाध्यक्ष मनु सक्सेना ने कहा,यह स्थिति पूरे उद्योग में है और हम सभी एक ही नाव पर सवार हैं, जिससे जीवन थोड़ा अप्रत्याशित हो गया है।

विधेयकों पर राष्ट्रपति, राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ राज्य रिट याचिका दायर नहीं कर सकतेः केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि राज्य सरकारें विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में राष्ट्रपति और राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर नहीं कर सकतीं।

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि राष्ट्रपति इस बारे में शीर्ष अदालत की राय जानना चाहेंगी कि क्या राज्य सरकारें मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 361 के दायरे पर भी राय चाहेंगी, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और निष्पादन या किए गए किसी भी कार्य के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने पीठ को बताया कि उन्होंने संदर्भ में इन सवालों पर बहस की है, लेकिन राष्ट्रपति की राय है कि वह सही कानूनी स्थिति जानने के लिए अदालत का विचार जानना चाहेंगी, क्योंकि भविष्य में यह मुद्दा उठ सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं।

विधायक राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेड्डी की प्रतिकृति वाली गणेश प्रतिमा पर आपत्ति जताई

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की गोशामहल विधानसभा सीट से विधायक टी राजा सिंह ने गणेश की उस प्रतिमा को स्थापित करने पर आपत्ति जताई, जो कथित तौर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मिलती जुलती थी। हालांकि इसे हटाकर भगवान गणेश की दूसरी प्रतिमा स्थापित कर दी गई है।

बुधवार को शुरू हुए गणेश चतुर्थी उत्सव के मौके पर, तेलंगाना मत्स्य महासंघ के अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता मेट्टू साई कुमार ने हबीबनगर पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत शहर के एक पंडाल में प्रतिमा स्थापित की। राजा सिंह ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें एक ऐसा पंडाल मिला जहां गणेश की प्रतिमा कथित तौर पर रेवंत रेड्डी जैसी बनाई गई थी। विधायक ने हैदराबाद पुलिस से तत्काल कार्रवाई करने और धार्मिक आस्थाओं के प्रति सम्मान तथा सद्भाव बनाए रखने के लिए पंडाल को हटाने का अनुरोध किया। राजा सिंह ने पत्र में कहा, हम पूरे सम्मान के साथ इस बात को समझते हैं कि वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन हमारे लिए वह कोई देवता नहीं हैं। इस तरह के गलत कृत्य से हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। प्रतिमा की स्थापना (मुख्यमंत्री से संबंधित पोशाक में गणेश को दर्शाती हुई) सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद साई कुमार ने बुधवार को खुद ही प्रतिमा हटा दी और उसकी जगह भगवान गणेश की दूसरी प्रतिमा स्थापित कर दी।

आलोचनाओं से घिरे शिवकुमार ने कहा- अब चुप रहूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का प्रार्थना गीत गाने समेत कई मुद्दों पर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि अब वह चुप रहेंगे और किसी भी विषय पर टिप्पणी के लिए पार्टी प्रवक्ताओं से संपर्क किया जा सकता है। शिवकुमार की भाजपा ने यह कहने के लिए आलोचना की थी कि ''चामुंडेश्वरी पर्वतीय क्षेत्र केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है''। मैसूरु के सांसद और मैसूरु राजघराने के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार ने शिवकुमार के उनकी कुलदेवी को लेकर दिए गए बयान को ''आहत करने वाला'' बताया था। भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) सांसद वाडियार ने कहा, यह बहुत ही पीड़ादायक और हास्यास्पद बयान है। ऐसे समय में जब लोग देवी गौरी और गणेश की पूजा कर रहे हैं, ऐसा बयान दिया गया जिससे हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। यह निंदनीय है।'' शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को वाडियार पर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''देखिए, जब मैं कुछ तथ्य बोलता हूं तो लोग बर्दाश्त नहीं करते। चाहे वह प्रमोदा देवी (मैसूरु राजपरिवार की सदस्य) हों, यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार हों या विधानसभा के अंदर।'' उन्होंने कहा, ''लोगों का काम बस यही है कि मैं जो भी बोलूं उसमें नुक्स निकालें, चाहे वो नेता हों, पत्रकार हों या कोई और। यही चल रहा है। बेहतर है कि मैं कुछ न बोलूं। दूसरे नेता और पार्टी प्रवक्ता भी हैं। आप (पत्रकार) उनसे बात करें।''

पत्रकारों ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी. एल. संतोष के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट के लिए शिवकुमार से संपर्क किया था। संतोष ने आरोप लगाया कि कर्नाटक विधानसभा में 21 अगस्त को आरएसएस का प्रार्थना गीत गाने के लिए राहुल गांधी ने उन्हें माफी मांगने के लिए कहा। संतोष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस राष्ट्रवाद से जुड़ी किसी भी चीज को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। वह इससे सख्त नफरत करते हैं और चाहते हैं कि उनके साथ मौजूद हर कोई हर राष्ट्रवादी चीज का विरोध करे।''

अपनी किताब 'हार्ट लैंप' के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली मुस्लिम समुदाय की कन्नड़ साहित्यकार बानू मुश्ताक को इस साल के दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए चुनने को लेकर भी भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि मुश्ताक को देवी चामुंडेश्वरी की ही रूप, देवी भुवनेश्वरी के प्रति कोई सम्मान नहीं है। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि वे राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे। आरएसएस का प्रार्थना गीत गाने के लिए कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं की आलोचना का सामना कर रहे शिवकुमार ने हाल में इसके लिए माफी मांगी। वह कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार हिंदुओं से माफी मांगें : आर. अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने यह कहकर हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है कि चामुंडेश्वरी मंदिर हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। विपक्षी नेता आर. अशोक ने मांग की कि वे तुरंत हिंदुओं से माफ़ी मांगें। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार हिंदुओं का अपमान कर रही है। हिन्दुओं को नीचा दिखाने के लिएधर्मस्थल से लेकर चामुंडेश्वरी मंदिर तक यह कृत्य चल रहा है।

अगर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कहते हैं कि चामुंडी पहाड़ी हिंदुओं की संपत्ति नहीं है, तो क्या यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है? अशोक नेकहा कि मैसूरु के महाराजा चामुंडेश्वरी को कुलदेवी के रूप में पूजते रहे हैं। कांग्रेस सरकार यह कहकर मुसलमानों को खुश करने की कोशिश कर रही है कि ऐसे इतिहास वाले देवता हिंदू देवता नहीं हैं।

चामुंडी पहाड़ी पर स्थित मंदिर किसकी संपत्ति है? वक्फ बोर्ड, मस्जिदें, गिरजाघर किसी को नहीं दिए जाएँगे। लेकिन उनका कहना है कि सिर्फ़ हिंदू मंदिर ही सबका है। अगर इस मंदिर को छुआ गया, तो पूरे राज्य में दंगा हो जाएगा। उन्होंने माँग की कि वे हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुँचाए बिना माफ़ी माँगें।

समीक्षा बैठक

गुरुवार को मुख्यमंत्री के गृह कार्यालय 'कृष्णा' में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सहकारिता विभाग की प्रगति समीक्षा बैठक की। बैठक में कानूनी सलाहकार पोन्नन्ना, सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज और विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी जांच समयबद्ध होनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने बृहस्पतिवार को मांग की कि धर्मस्थल में पिछले दो दशक में कई हत्याओं, बलात्कारों और शवों को दफन किए जाने के आरोपों की एसआईटी जांच समयबद्ध होनी चाहिए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने भाजपा पर मामले का राजनीतिकरण करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार षड्यंत्रकारियों और धर्मस्थल को बदनाम करने के लिए अभियान चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

विजयेंद्र ने पत्रकारों से बात करते हुए एक सवाल के जवाब में कहा, कल हमारे यहां कोई विधानसभा या लोकसभा चुनाव या कोई उपचुनाव नहीं है। भाजपा को इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोई जरूरत नहीं है। विजयेंद्र ने पूछा, सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने षड्यंत्रकारियों और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? उन षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कोई प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई? उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार पहले इन सवालों का जवाब दे।

भाजपा नेता ने कहा, जब कांग्रेस शासन सरकार के खिलाफ कुछ भी पोस्ट करने वाले हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज कर सकती है, तो वह धर्मस्थल मामले में षड्यंत्रकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में क्यों विफल रही? प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी ने धर्मस्थल मामले की छानबीन के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने का कभी विरोध नहीं किया, लेकिन जांच के लिए उचित समय सीमा होनी चाहिए। विजयेंद्र ने कहा, वे (एसआईटी) कई महीनों तक जांच जारी नहीं रख सकते। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कि मामले की एसआईटी जांच गंभीरता से चल रही है और सरकार चाहती है कि जांच जल्द से जल्द पूरी हो।

आमंत्रण

बेंगलूरु में गुरुवार को मंत्री ज़मीर अहमद खान और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नासिर अहमद ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ बैठक की और उन्हें 5 सितंबर को बेंगलूरु पैलेस मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिलाद कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इस मौके पर परिषद सदस्य अब्दुल जब्बार, मौलाना शफी सादी और अन्य उपस्थित थे।

प्रमोदा देवी वाडियार ने चामुंडी पहाड़ी के स्वामित्व संबंधी बयान को 'असंवेदनशील' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूरु के पूर्व राजघराने की प्रमोदा देवी वाडियार ने इस वर्ष दशहरा उत्सव को लेकर उठे विवादों पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान को असंवेदनशील करार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि चामुंडी पर्वत और वहां की देवी केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। चामुंडी पर्वत पर प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी देवी मंदिर स्थित है। शिवकुमार ने मंगलवार को कहा था कि चामुंडी पर्वत और देवी चामुंडेश्वरी हर धर्म के लोगों की हैं और यह केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं हैं। इस बयान पर विपक्षी भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री ने यह बयान अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को इस वर्ष 22 सितंबर को चामुंडी पहाड़ियों पर आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध 'मैसूरु दशहरा-2025' के उद्घाटन समारोह के लिए दिए गए सरकारी निमंत्रण के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिया। वाडियार के पुत्र और मैसूरु से सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने बुधवार को शिवकुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि चामुंडी पहाड़ी हिंदुओं की है और यह हिंदुओं की संपत्ति है। यदुवीर, पूर्व राजपरिवार के वंशज भी हैं। शिवकुमार ने प्रमोदा देवी वाडियार और यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा, मैं जब भी तथ्यों के साथ बात करता हूं तो लोगों को 'बर्दाश्त नहीं होता' और मैं जो कुछ भी कहता हूं, उसमें खामियां निकाली जाती हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, देखिए जब मैं तथ्यों के साथ बोलता हूं तो कुछ लोगों को बर्दाश्त नहीं होता फिर चाहे वह प्रमोदा देवी हों या यदुवीर या विधानसभा के अंदर। लोगों का एकमात्र काम है कि मैं जो कुछ भी कहता हूं उसमें खामियां निकालें फिर चाहे वह राजनेता हों, पत्रकार हों या कोई और। यही चल रहा है। बेहतर है कि न बोलें। अन्य नेता और पार्टी प्रवक्ता भी हैं। आप (पत्रकार) उनसे बात करें। प्रमोदा देवी वाडियार ने एक बयान में कर्नाटक सरकार द्वारा इस वर्ष प्रस्तावित दशहरा उत्सव को संपन्न कराने के तरीके और पवित्र चामुंडेश्वरी मंदिर को लेकर की जा रही राजनीति पर निराशा व्यक्त की।

उन्होंने कहा, 'इस वर्ष के नाडा हब्बा (राज्य उत्सव) या जनता दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति के चयन ने परस्पर विरोधी विचारों को जन्म दिया है। इन निर्णयों का बचाव करते हुए 'चामुंडेश्वरी मंदिर हिंदुओं का नहीं है' जैसे असंवेदनशील बयान अनावश्यक और टाले जा सकते थे।' प्रमोदा देवी वाडियार ने कहा कि अगर यह हिंदू मंदिर न होता तो इसे मुजराई विभाग के अंतर्गत कभी नहीं लाया जाता। उन्होंने कहा, 'हमारा मत है कि सरकारी दशहरा एक सांस्कृतिक उत्सव है। राज्य सरकार अपनी प्रकृति के अनुसार ऐसे उत्सव के आयोजन में धार्मिक शुचिता, संप्रदाय (परंपरा) या परम्परा (विरासत) का दावा नहीं कर सकती।'

मैसूरु में दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा और दो अक्टूबर को 'विजयदशमी' पर समाप्त होगा। यदुवीर ने बुधवार को कहा कि यह चौंकाने वाला' है कि उपमुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे किसी व्यक्ति ने ऐसा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवकुमार शायद 'संतुलन' बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में विधानसभा में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का प्रार्थना गीत गाने के लिए उन्हें अपनी ही कांग्रेस पार्टी के भीतर से आलोचना का सामना करना पड़ा था। यदुवीर ने कहा, पुराणों में उल्लेख है कि हजारों साल पहले ऋषि मार्कंडेय ने चामुंडी पहाड़ी पर तपस्या की थी और वहां दो मूर्तियां स्थापित की थीं। हमारे अपने प्रलेखित इतिहास में महाबलेश्वर मंदिर और चामुंडेश्वरी मंदिर का हजारों साल पुराना इतिहास है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और मैसूरु से सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार समेत कई नेताओं ने मुश्ताक से दशहरा का उद्घाटन करने की सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा।

धर्मस्थल की रक्षा करने में किसी को भी हिचकिचाहट नहीं : स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव

बेंगलूरु। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि हमने हमेशा धर्मस्थल की रक्षा के मुद्दे का समर्थन किया है। गुरुवार को बेंगलूरु के विकास सौधा में मीडिया को जवाब देते हुए, मंत्री ने स्पष्ट किया कि धर्मस्थल की रक्षा करने में किसी को भी हिचकिचाहट का कोई सवाल ही नहीं है। भाजपा कांग्रेस को हिंदू विरोधी बताने की कोशिश कर रही है। शिष्टाचार का मामला भाजपा के शासनकाल का है। जिन लोगों ने दुर्भावना से धर्मस्थल को बदनाम करने की कोशिश की, वे सफल नहीं होंगे।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि एसआईटी जाँच में सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। एसआईटी की जाँच रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। एक गुमनाम शिकायत दर्ज की गई थी, और खुदाई में मिली सामग्री की एफएसएल जाँच भेजी गई है। सभी ने इस बात पर बहुत हंगामा किया कि वहाँ सैकड़ों शव कैसे थे। एसआईटी इस बात की भी जाँच कर रही है कि क्या यह पहले से तय था।

भाजपा इसका इस्तेमाल राजनीति के लिए कर रही है। मंत्री दिनेश गुंडूराव ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार ने धर्मस्थल मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की कोई कोशिश नहीं की है।

दिनेश गुंडुराव ने कहा कि भाजपा हम पर आरोप लगा रही है और कांग्रेस को हिंदू विरोधी बता रही है। हिंदू बनने के लिए भाजपा की सदस्यता लेना ज़रूरी नहीं है। क्या कांग्रेस में हम सब हिंदू नहीं हैं? हमारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने भी कहा है कि 'वह शुद्ध हिंदू हैं।'

बस स्टैंड पर यात्रियों को बस ने कुचला, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के तलापडी में बृहस्पतिवार को कासरगोड से मंगलूरु जा रही केएसआरटीसी की एक बस के ब्रेक फेल होने के बाद बस स्टैंड व एक ऑटो-रिक्शा से टकराने की दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों में चार वयस्क और एक बच्चा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, चारों वयस्क एक ही परिवार के थे। पुलिस ने बताया कि घायलों का स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, ब्रेक फेल होने के कारण का पता लगाने के लिए मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। केएसआरटीसी और यातायात अधिकारी बस की यांत्रिक खामियों व रखरखाव संबंधी प्रक्रियाओं का आकलन करने के लिए वाहन की जांच कर रहे हैं। केएसआरटीसी व सड़क परिवहन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्यों की व्यवस्था की।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने वाले कानून के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल

बेंगलूरु। ऑनलाइन गेम 'ए23 रमी' की संचालक कंपनी हेड डिजिटल वर्क्स ने पैसे आधारित ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाले केंद्रीय अधिनियम के खिलाफ बृहस्पतिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया। यह संसद में हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025 को किसी गेमिंग कंपनी की ओर से अदालत में चुनौती दिए जाने का पहला मामला है। उच्च न्यायालय उक्त कानून की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिका पर 30 अगस्त को सुनवाई करेगा। बृहस्पतिवार को यह मामला न्यायमूर्ति बीएम श्याम प्रसाद के समक्ष पेश किया गया।

विसर्जन

बुधवार शाम को बेंगलूरु में अलसूर झील के एक विशेष तालाब में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन ने लोगों को आकर्षित किया।

कर्नाटक में विभिन्न हिस्सों में बारिश, आईएमडी ने जारी किए ऑरेंज और येलो अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किए। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है और कई जिलों में अधिकारियों ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

ऑरेंज अलर्ट 11 से 20 सेंटीमीटर तक की बहुत भारी होने का अनुमान दर्शाता है जबकि येलो अलर्ट का अर्थ होता है कि 6 से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश हो सकती है। बीदर जिले में, औरद तालुक में बीती रात हुई बारिश के कारण भालकी तालुक के बादलगांव-चोंडिमुखेड में दादागी पुल समेत कई पुलों पर पानी भर गया, जिससे यातायात पूरी तरह से बंद हो गया। औरद तालुक के नारायणपुर गांव में एक बरसाती नाले के उफान पर होने की भी खबर है। बीदर की उपायुक्त शिल्पा शर्मा ने सुरक्षा उपाय के तहत प्रभावित इलाकों के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा दक्षिण कन्नड़ जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करने और भारी वर्षा होने का अनुमान जताने के बाद जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार (28 अगस्त) को मंगलूरु, पुत्तूर, मुल्की, मूडबिद्री, उल्लाल और बंटवाल तालुकों में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक और उच्च विद्यालयों, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी संस्थानों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया। दक्षिण कन्नड़, उडुपी, विजयपुरा, बागलकोट, कलबुर्गी और बीदर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

एचडी कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा

सरकार का रवैया ठीक नहीं, मंजुनाथ स्वामी देंगे उचित दंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने गरजते हुए कहा कि धर्मस्थल मामले में जिन लोगों ने भी षडयंत्र रचा है, उन्हें उचित दंड दिया जाएगा। गुरुवार को सुबह शहर में मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने धर्मस्थल मामले में एसआईटी के गठन के मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और यह भी कहा कि कुछ ताकतों के दबाव में एसआईटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल मामले में इस सरकार का व्यवहार ठीक नहीं है, और श्री मंजूनाथ स्वामी आने वाले दिनों में इसकी सज़ा ज़रूर देंगे। सरकार ने शुरुआत से ही सही व्यवहार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति या धर्म को नहीं लाया जाएगा। लेकिन सरकार ने जिस तरह से निर्वाचन क्षेत्र के साथ व्यवहार किया है, उससे केवल अपमान ही हुआ है। यह अक्षम्य है। शुरू से ही धर्मस्थला में जाँच का नाटक चल रहा है। सीएस द्वारकानाथ नाम के एक व्यक्ति ने सबसे पहले शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत दर्ज होते ही मुख्यमंत्री ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे कुछ वामपंथी ताकतों की चालाकी के साथ-साथ अदृश्य ताकतों की एक बड़ी साजिश भी है।

ज्यादा आरामदेह होगा 'वंदे भारत' ट्रेनों से सफर

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। भारतीय रेलवे 'वंदे भारत एक्सप्रेस' की मांग को देखते हुए कोच बढ़ाने जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में 31 जुलाई, 2025 तक की ऑक्यूपेंसी के आधार पर तीन 16-कोच वाली ट्रेनों को 20 कोच और चार 8-कोच वाली ट्रेनों को 16 कोच में बदला जाएगा।

जल्द ही 20 अतिरिक्त कोच रेक और एक 16-कोच रेक भी उपलब्ध होंगे। यात्रियों की संख्या के आधार पर 16 कोच और 8 कोच वाले मौजूदा रेकों का इस्तेमाल नई ट्रेन सेवाओं के लिए किया जाएगा। इन रेकों के प्रतिस्थापन के बाद, अंतिम ट्रेन सेवाओं का स्वरूप निर्धारित किया जाएगा।

20631/20632 मंगलूरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-मंगलूरु सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन 16 के बजाय 20 कोच वाली रेक से होगा। 20701/20702 सिकंदराबाद तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन 16 के बजाय 20 कोच वाली रेक से होगा। इसी तरह, 20665/20666 चेन्नई एग्मोरतिरुनेलवेली-चेन्नई एग्मोर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन 16 के बजाय 20 कोच वाली रेक से किया जाएगा। रेलवे ने बताया कि 20671/20672 मदुरैबेंगलूरु-मदुरै कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन 8 के बजाय 16 कोच वाली रेक से होगा। वहीं, 20871/20872 हावड़ा-राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस तथा 20911/20912 इंदौर-नागपुर-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन भी 8 कोच के बजाय 16 कोच वाली रेक से होगा।

निवेशक राज्य की विकास यात्रा में बनें सहभागी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि समृद्ध, सशक्त और सर्वोपरि राज्य बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि उद्यमी अधिक से अधिक निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें।

शर्मा गुरुवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देशभर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल खनिज ब्लॉक आवंटन का 20 प्रतिशत अकेले राजस्थान से हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने विजन डॉक्यूमेंट-2047 को मंजूरी दी है। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुनहरे भविष्य का खाका है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक राजस्थान 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 सौर परियोजनाओं को मंजूरी, नई भूमि आवंटन नीति, पंच गौरव जैसे नवाचारों एवं निर्णयों से ऊर्जा एवं उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर-पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है। राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं।

'विकेन्द्रित सौर संयंत्रों से संबद्ध फीडरों में तुरन्त जारी होंगे कृषि कनेक्शन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय किया है। अब पीएम कुसुम योजना के तहत स्थापित विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्रों से जुड़े 33/11 केवी सब स्टेशन क्षेत्रों में अलग से प्राथमिकता के आधार पर तत्काल कृषि कनेक्शन जारी किए जा सकेंगे। इसके लिए कृषि कनेक्शन नीति-2017 में संशोधन को भी मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी है। प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के पश्चात अब ऐसे सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता के अनुसार 33/11 केवी से निकलने वाले फीडरों पर कृषि कनेक्शन के लिए आवेदकों को पृथक से प्राथमिकता से मांग पत्र जारी किए जा सकेंगे। मांग पत्र जमा होने के बाद आवेदकों को तुरंत प्राथमिकता से कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे।

मौजूदा समय में कृषि कनेक्शन नीति-2017 के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के कृषि कनेक्शन के आवेदकों को राज्य सरकार द्वारा घोषित निर्धारित अंतिम तिथि (कट ऑफ डेट) के अनुसार डिमांड नोट जारी किए जाते हैं। मांग पत्र जमा होने के बाद कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मूल आवेदन तिथि के अनुसार संधारित की जाती है। वहीं अन्य श्रेणी-ड्रिप, डिग्गी अथवा शहरी क्षेत्र के आवेदकों के मांग पत्र तुरन्त प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाते हैं। इन आवेदकों के लिए कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मांग पत्र जमा करवाने की तिथि के अनुसार संधारित की जाती है। वर्तमान में 22 फरवरी 2022 तक की कट ऑफ डेट के अनुसार सामान्य श्रेणी के आवेदकों को कनेक्शन देय हैं। राज्य में फिलहाल 78 हजार 498 कृषि कनेक्शन लंबित हैं, जिनमें डिमाण्ड नोट जमा किए जा चुके हैं। वहीं इसके बाद 2 लाख 27 हजार 913 नए आवेदन प्राप्त हुए है।

उल्लेखनीय है कि पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में प्रदेश में धरातल पर तेजी से काम हो रहा है। प्रदेश की गांव-ढाणियों में लगभग 1543 मेगावाट क्षमता के 776 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें भी 1420 मेगावॉट क्षमता के प्लांट मात्र डेढ़ वर्ष के भीतर स्थापित किए गए हैं। इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से 1 लाख से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। यह संयंत्र विद्युत सब-स्टेशन से 5 किलोमीटर के दायरे में स्थापित किए जाते हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से सौर ऊर्जा संयंत्रों से दिन में उत्पादित हो रही बिजली का उपयोग कृषि क्षेत्र में हो सकेगा और बड़ी संख्या में किसानों को कृषि कनेक्शन जारी किए जा सकेंगे। जिससे कृषि कनेक्शनों की आवेदन सूची में कमी आएगी।

आधार के दुरूपयोग को रोकने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका, साइबर फ्रॉड पर लगे अंकुश : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेश में आधार के दुरूपयोग एवं इससे होने वाले साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए एआई (अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाल आधार (5 साल तक के बच्चे का आधार) सैचुरेशन को बढ़ाने के लिए सम्बंधित सभी विभाग आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाए एवं लंबित कार्यों को शीघ्र सम्पादित करें।

मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित यूआईडी कार्यान्वयन समिति (यूआईडीआईसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधार की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए तकनीक के इस दौर में एआई का उपयोग कर आधार से सम्बंधित साइबर फ्रॉड को रोका जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में पंत ने बाल नामांकन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्यवाही के दिशा निर्देश दिए। उन्होने कहा कि 5 वर्ष तक आयु के बच्चों के आधार नामांकन के लिए प्रदेश में प्रीस्कूल और आंगनबाड़ियों में विशेष अभियान चला कर जागरूकता फैलाई जाए। प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों को इस सम्बन्ध में निर्देशित कर आधार नामांकन में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आईईसी गतिविधियों के माध्यम से इस दिशा में व्यापक प्रचार-प्रसार कर माता-पिता को बाल आधार नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन पर भी विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। पंत ने सम्बंधित विभागों को आधार नामांकन एवं अपडेशन की प्रक्रिया में आवश्यक अन्य दस्तावेजों के भी डिजिटाइजेशन के लिए निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली, कुमार उज्ज्वल ने राज्य में आधार सैचुरेशन की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विषयों पर चर्चा की ।

शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, श्रीमती अर्चना सिंह ने इस सम्बन्ध में नोडल विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर यूआईडीआईसी की गत बैठक में विभागों को दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। जिसके तहत प्रदेश में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट, आधार लिंक बर्थ रजिस्ट्रेशन (एएलबीआर), स्टेट वेरिफिकेशन पोर्टल की स्थिति, जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति (डीएलएएमसी) जैसी विषयों की प्रगति की जानकारी साझा की गई। समीक्षा में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और सुशासन कार्यक्रमों में आधार-सक्षम सेवाओं को भी शामिल किया गया।

गणेश चतुर्थी के वार्षिक मेले के दौरान मानसून की झड़ी और भक्ति की धूम में सराबोर रहे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर दुर्ग में स्थित एकमात्र त्रिनेत्र गणेश मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस वार्षिक महोत्सव में भक्ति, उत्साह और आस्था का अभूतपूर्व नजारा दिखा। मौसम के प्रतिकूल हालात के बावजूद, बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने पूरे आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बना दिया। जिला प्रशासन, नगर परिषद और पंचायती राज विभाग की ओर से सवाई माधोपुर शहर, रणथंभौर रोड, मेला मार्ग और किला तथा मंदिर परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई और स्वच्छता ने इस बार मेले की भव्यता को नया आयाम दिया।

सवाई माधोपुर जिला कलक्टर काना राम ने त्रिनेत्र गणेश मेले के सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं, आम जिलावासियों, मेला समिति सहित विभिन्न गतिविधियों की आयोजन समितियों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी बधाई दी। उन्होंने विशेषकर पुलिस तथा वन विभाग सहित सभी सरकारी विभागों और संस्थाओं के कार्मिकों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं का मेले की सभी गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

सवाई माधोपुर शहर के बीच से ही पूरे रणथंभोर मार्ग पर सैकड़ों की संख्या में भंडारों और प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ, जिनमें श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। गणेश गणेश चतुर्थी को मेले के दूसरे दिन बारिश होने के बावजूद न तो लोगों के उत्साह में कमी रही और न ही प्रशासनिक स्तर पर कोई ढिलाई नजर आई। लोगों ने बताया कि मेला मार्ग में कदम रखने तक की जगह नहीं होने के बावजूद फिर भी प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट की बेहतर व्यवस्थाओं के चलते मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से दर्शन होते रहे।

सवाई माधोपुर से रणथंभोर तक मेले के मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडलों और भामाशाहों की ओर से जगह-जगह भंडारे सजाए गए। जिला प्रशासन ने निःशुल्क भंडारा लगाने वाले संचालकों के साथ कई बार बैठक कर निर्देशित किया कि वे स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और इस कार्य में नगर परिषद और स्थानीय ग्राम पंचायत समिति को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। सफाई व्यवस्था के लिए नगर परिषद और ग्रामीण क्षेत्र में 200-200 से अधिक सफाई कार्मिक नियोजित किए गए थे।

तीन दिवसीय मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए। मेले को 10 जोनों में बाँटा गया, जहाँ 1500 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात रहे। श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए विभिन्न स्थानों से रोडवेज की 55 बसें लगाई गईं। रणथंभोर राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में मेले के पैदल मार्ग पर तथा जिले में विभिन्न स्थानों पर नदी-नालों पर गोताखोर तैनात रहे। मेला मार्ग पर लगातार सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। मेला मार्ग पर कई स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए।

न्यायालय ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पेपर लीक के मद्देनजर विवादास्पद 'पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021' रद्द कर दी है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने बृहस्पतिवार को एक विस्तृत फैसला सुनाते हुए 2021 की यह भर्ती परीक्षा रद्द कर दी। अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आर.पी. सिंह ने कहा, भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी स्पष्ट रूप से दिख रही थी। आश्चर्य है कि राज्य सरकार ने इस विषय पर न तो कोई कार्रवाई की, न ही कोई निर्णय लिया। उम्मीद है कि अदालत का यह फैसला युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले गिरोहों के लिए एक सबक के रूप में काम करेगा।

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस परीक्षा को रद्द नहीं करने का रुख अदालत के समक्ष अपनाया था, जबकि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान यह उसके लिए बड़ा राजनीतकि मुद्दा था। इसके साथ ही एकल पीठ ने भर्ती परीक्षा घोटाले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों के आचरण, उनकी संलिप्तता और इसे आरपीएससी के कामकाज के खिलाफ जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करने सहित सभी बिंदुओं को खंडपीठ को भेज दिया है।

आरपीएससी ने 2021 में पुलिस उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 859 पदों के लिए विज्ञापन निकाला था। भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने के आरोप सामने आए, जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) को सौंप दी। पेपर लीक में शामिल अन्य लोगों के अलावा 50 से ज्यादा प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य मंत्रिमंडल की एक उप-समिति ने उच्च न्यायालय में अपनी रिपोर्ट में एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द न करने की सिफारिश की थी।

वहीं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, यह संघर्ष की जीत है, यह सच की जीत है। अदालत के फैसले से मैं खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरी नजर में 50 प्रतिशत से ज्यादा फर्जी थानेदार चुने गए। ऐसे लोग अगर सेवा में आते तो कानून व्यवस्था की क्या स्थिति होती यह आप अंदाजा लगा सकते हैं।

राजस्थान के संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल से जब अदालत के फैसले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस विषय में पूरी जानकारी नहीं है। मैं विधानसभा में था। फैसले का अध्ययन करेंगे। जो भी न्यायालय का निर्णय है, वह शिरोधार्य है। जो भी उचित होगा कार्रवाई करेंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने 'एक्स' पर लिखा, उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को रद्द करने का उच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। कांग्रेस पार्टी हमेशा युवाओं के हित में कार्य करती रही है। देश में पेपर लीक के खिलाफ उम्रकैद तक की सजा एवं 10 करोड़ रुपये जुर्माना, दोषियों की संपत्ति कुर्क करने जैसे कठोर कानून सबसे पहले राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार ने ही बनाया था।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सेना की दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर का दौरा किया। रक्षा सूत्रों के अनुसार प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल ऋतु छेत्री ने उनका सैन्य परंपराओं के अनुरूप औपचारिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। आर्मी कमांडर ने संस्थान का भ्रमण कर शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं आवासीय सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्हें विद्यालय द्वारा कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई, जिनमें विशेष रूप से शिक्षा, सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन और चरित्र निर्माण पर बल दिया गया। जनरल अधिकारी ने विद्यालय की उच्च मानकों वाली परंपरा की सराहना की और कैडेट्स को भविष्य के सैन्य नेतृत्व के रूप में तैयार करने के लिए संकाय एवं स्टाफ के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की। दौरे के दौरान जनरल ऑफिसर ने स्कूल की वार्षिक पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का विमोचन भी किया, जिसमें कैडेटों की साहित्यिक और रचनात्मक प्रतिभा, उपलब्धियों और बहुमुखी प्रयासों का वर्णन किया गया है। आर्मी कमांडर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक एवं अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया। इस अवसर पर आर्मी कमांडर ने कैडेट्स के साथ एक प्रेरक संवाद सत्र किया।

इस दौरान उन्होंने कैडेट्स से उनके अनुभवों, आकांक्षाओं और चुनौतियों पर चर्चा की तथा उनके प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने उन्हें अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और देशभक्ति को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

'गूगल मैप' के गलत रास्ता बताने पर नदी में बही वैन, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात वैन के नदी में बहने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्चा लापता हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वैन के चालक ने कथित रूप से 'गूगल मैप' की मदद से यह रास्ता चुना था। वह वैन को उस पुलिया की ओर ले गया जिसे कुछ महीनों से बंद कर दिया गया था। वैन ने उसे पार करने की कोशिश की तो वह तेज बहाव में बह गई।

पुलिस के मुताबिक, वैन में एक ही परिवार के लोग थे। बनास नदी के तेज बहाव में वैन काफी दूर तक बह गई, जिससे चार लोग डूब गए जबकि पांच लोगों ने वैन की छत पर बैठकर जान बचाई। यह हादसा मंगलवार देर रात लगभग 1:30 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक वैन में सवार परिवार भीलवाड़ा जिले में एक धार्मिक स्थल के दर्शन कर घर लौट रहा था।

पुलिस ने बताया कि वैन चालक ने रास्ता खोजने के लिए 'गूगल मैप' का इस्तेमाल किया, जो उन्हें बनास नदी पर बने एक ऐसे पुल की ओर ले गया जो लंबे समय से बंद था। चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि बनास नदी में उफान के कारण नदी पार करने वाले सभी रास्ते बंद थे लेकिन यह परिवार ऐसे ही एक बंद पुल को लांघकर सोमी-उपरेड़ा पुलिया पर चला गया, जो कुछ महीनों से बंद थी।

उन्होंने बताया कि जैसे ही चालक ने नदी पार करने की कोशिश की कार पुल पर फंस गई और नदी के तेज बहाव में बहने लगी। अधिकारी ने बताया, वैन में सवार लोग खिड़की तोड़कर उसकी छत पर चढ़ गए और उनमें से एक ने अपने रिश्तेदार को फोन किया, जिसने घटना की सूचना पुलिस को दी।

उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी रश्मि देवेंद्र सिंह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और एक नाव का इंतजाम किया। अधिकारी ने बताया कि अंधेरे में परिवार तक पहुंचना मुश्किल था लेकिन पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बेहतरीन काम किया और किसी तरह कार तक पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिवार के सदस्य अपने मोबाइल टॉर्च से बचाव दल को इशारा करते रहे।

हालांकि, जब तक पुलिसकर्मी फंसे परिवार तक पहुंचे दो महिलाएं और दो बच्चे बह चुके थे। उन्होंने बताया कि पांच लोगों को बचा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं और एक बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है जबकि एक बच्चे के शव की तलाश जारी है।

पाकिस्तान से तीन आतंकवादियों के बिहार में घुसने की सूचना के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई

पटना/भाषा। बिहार में नेपाल के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिला पुलिस को अलर्ट जारी किया है और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े इन आतंकवादियों के नाम और तस्वीरें भी जारी की हैं। आशंका है कि ये सभी नेपाल के रास्ते अररिया होते बिहार पहुंचे हैं।

बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी जिला पुलिस और बिहार पुलिस की कई अन्य शाखाओं को क्षेत्र में गश्त और तलाशी अभियान तेज करके राष्ट्र-विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी और सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। राज्य में सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान से तीन आतंकवादियों के नेपाल के रास्ते राज्य में घुसने की सूचना के बारे में पूछे जाने पर, डीजीपी ने कहा, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है। उन्होंने अलर्ट के बारे में और जानकारी देने से इनकार कर दिया। हालांकि सूत्रों के अनुसार, खुफिया जानकारी से पता चला है कि तीनों आतंकवादी बिहार में घुस आए हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी आतंकवादियों, हसनैन, आदिल और उस्मान की तस्वीरें भी जारी कर सभी जिला पुलिस को भेज दी गई हैं। हसनैन रावलपिंडी का रहने वाला है, आदिल उमरकोट का और उस्मान पाकिस्तान के बहावलपुर का निवासी है।

मणिपुर के कांगपोकपी में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांगपोकपी जिले से हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बुधवार को माओहिंग और चांगौबंग गांव के बीच जंगल में चलाए गए एक अभियान के दौरान एक अमेरिकी एम16 राइफल और उसकी 10 राउंड मैगजीन, एक .303 राइफल, दो कोल्ट मशीन गन या सीएमजी, तीन पिस्तौल, एक .22 राइफल, छह बोल्ट एक्शन राइफल, दो शॉर्ट-बैरल राइफल, तीन इम्प्रोवाइज्ड प्रोजेक्टाइल लॉन्चर, दो हथगोले और चार रेडियो सेट बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि कोटजिम गांव के आसपास के क्षेत्र में एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने एक कार्बाइन, एक सिंगल-बैरल राइफल, तीन इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, दो हथगोले और तीन पुल-मैकेनिज्म राइफलें बरामद कीं।

कांग्रेस ने मणिपुर में नए सिरे से विधानसभा चुनाव कराने की मांग की

इंफाल/भाषा। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ने मणिपुर में नए सिरे से चुनाव की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी राज्य में शांति और भाईचारे की वापसी चाहती है। वह इंफाल में 'वोट चोर, गद्दी चोर' की राज्य स्तरीय रैली को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस के मणिपुर मामलों के प्रभारी उलाका ने कहा, हम यहां यह रैली इसलिए कर रहे हैं ताकि आपको पता चले कि देश में क्या हो रहा है। कांग्रेस पार्टी, हमारे नेता राहुल गांधी यह सुनिश्चित करेंगे कि संविधान में निहित लोकतंत्र की रक्षा हो।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे कई बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह बयान चाहती है कि वह मणिपुर कब आएंगे और मणिपुर पर वह चुप क्यों है?

उलाका ने कहा कि 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों के पास 55 विधायक होने के बावजूद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। उन्होंने कहा, हमारी मांग सरल है। हम मणिपुर में नए सिरे से चुनाव चाहते हैं, जहां लोग अपनी सरकार चुनेंगे और मुद्दों का समाधान करेंगे। फिलहाल कोई समाधान नहीं है, कोई शांति नहीं है। हम मणिपुर के साथ खड़े रहेंगे और राज्य में शांति और भाईचारा वापस लाना सुनिश्चित करेंगे।

मणिपुर में इस वर्ष फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। उन्होंने यह भी कहा, हम 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे। हम दस करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करेंगे, जिन्हें हम भारत के राष्ट्रपति या निर्वाचन आयोग को देंगे। इससे पहले, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव क्रिस्टोफर तिलक ने दावा किया कि देश में संविधान का सबसे अधिक उल्लंघन मणिपुर में हुआ है।

संभल हिंसा की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंप दी है।

आयोग के सदस्य अरोड़ा, 1979 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अरविंद कुमार जैन और सेवानिवृत्त आईएएस अमित मोहन प्रसाद ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और 24 नवंबर, 2024 को संभल में अपनी रिपोर्ट सौंपी।

संजय प्रसाद ने रिपोर्ट के विवरण के बारे में पूछे जाने पर कहा, रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद हम इस बारे में कुछ बता सकेंगे। आयोग का गठन 28 नवंबर 2024 को किया गया था। उसके बाद उसने एक दिसंबर को पैनल ने पहली बार गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया था। न्यायिक आयोग में शामिल उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक ए के जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हां, हमने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। यह एक विस्तृत रिपोर्ट है। जैन ने रिपोर्ट को 'गोपनीय' करार देते हुए उसमें शामिल की गई बातों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कुछ रिपोर्टों की प्रामाणिकता के बारे में पूछे गए सवालों का भी जवाब नहीं दिया, जिनमें दावा किया गया था कि रिपोर्ट में जनसांख्यिकीय बदलाव का जिक्र किया गया है जिसके मुताबिक संभल में हिंदुओं की आबादी घट रही है। कुछ कथित रिपोर्टों के अनुसार न्यायिक पैनल ने अपनी लगभग 450 पृष्ठों की रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि संभल में कैसे हिंदू आबादी अब घटकर लगभग 15 से 20 प्रतिशत ही रह गई है। यह पहले की तुलना में आधी से भी कम है। हालांकि, जैन ने यह कहते हुए खुलकर बात नहीं की कि पैनल को रिपोर्ट की विषय-वस्तु का खुलासा करने का अधिकार नहीं है। जैन ने आगे कहा, यह रिपोर्ट कैबिनेट और बाद में उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी प्रक्रिया के तहत पेश की जाएगी।

प्रधान ने अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर राहुल, तेजस्वी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बिहार में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली ''वोटर अधिकार यात्रा'' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत माताजी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि बिहार में ''वोटर अधिकार यात्रा'' के दौरान ''अपमान, घृणा और स्तरहीनता'' की सारी हदें पार की जा चुकी हैं।

भाजपा ने 'एक्स' पर अपने हैंडल से इस घटना का वीडियो पोस्ट नहीं किया लेकिन कुछ हैंडल द्वारा ऑनलाइन साझा की गई सामग्री में कुछ अज्ञात लोगों को यात्रा के दौरान मंच से मोदी के लिए हिंदी में अपशब्द का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया है। 'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकती। प्रधान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी की दिवंगत माताजी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल बहुत ही शर्मनाक एवं निंदनीय है। यह भाषा राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत पूरे 'इंडी' गठबंधन द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत की पराकाष्ठा को दर्शाती है। राजद-कांग्रेस के चुनावी मंच से आई यह घृणित टिप्पणी बिहार और देशभर के हर उस भारतीय का अपमान है जो अपनी मां को भगवान के समान मानता है। उन्होंने कहा, बिहार का अपमान करने वालों को बढ़ावा देने के बाद, व्यक्तिगत द्वेष और घृणा से प्रधानमंत्री की दिवंगत माताजी के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना इन नेताओं और दलों की खोखली मानसिकता और घोर निराशा का प्रमाण है।

अरुणाचल प्रदेश में राज्य से बाहर सामान ले जाने वाली पहली कार्गो विमान सेवा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के नागर विमानन मंत्री बालो राजा ने बृहस्पतिवार को डोनी पोलो हवाई अड्डे से राज्य से बाहर सामान ले जाने वाली पहली कार्गो विमान सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस कदम का उद्देश्य राज्य की कृषि-बागवानी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और स्थानीय किसानों को व्यापक बाजारों से जोड़ना है। राजा ने कहा कि 'किसानों को सशक्त बनाना, बाजारों को जोड़ना' विषय पर आधारित इस पहल से किसानों के लिए नए अवसर पैदा होंगे, क्योंकि इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनकी उपज राष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंचे।

राजा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज मुझे हमारे राज्य के डोनी पोलो हवाई अड्डे से पहली 'आउटबाउंड कार्गो' विमान सेवा को हरी झंडी दिखाने का सौभाग्य मिला। यह पहल हमारे मेहनती किसानों के लिए नए अवसर खोलेगी। राज्य नागर विमानन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्गो सेवा का मुख्य उद्देश्य फल, सब्जियां, फूल और अन्य स्थानीय उपज जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की आपूर्ति करना है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल सामान की बर्बादी कम होगी, बल्कि दूरदराज के जिलों के किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की भी उम्मीद है।

प्रयागराज में खतरे के निशान के करीब पहुंचा गंगा-यमुना का जलस्तर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को बढ़कर खतरे के निशान 84.73 मीटर के करीब पहुंच गया, जिससे नदियों के किनारे बसे लोगों में चिंता फिर से बढ़ गई है। अगस्त माह में दूसरी बार बाढ़ का पानी रिहायशी क्षेत्रों में पहुंच रहा है।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम क्षेत्र में बने बांध के किनारे जहां वाहन रफ्तार भरते थे, वहां फिर से नावें चलने लगी हैं और लोग बांध के किनारे ही डुबकी लगा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के मुताबिक, बृहस्पतिवार को शाम चार बजे तक फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 84.44 मीटर, जबकि छतनाग में यह 83.56 मीटर पर पहुंच गया। वहीं यमुना का जलस्तर नैनी में 84.15 मीटर रहा। एसडीएम (सदर) अभिषेक सिंह ने बताया कि सदर में 12 वार्ड/ मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमें कछार मऊ, मऊ सरैया, राजापुर, बघाड़ा, नेवादा, बेली कछार, बेली उपरहार, मेहदौरी, सलोरी, शिवकुटी, म्योराबाद और दारागंज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सदर क्षेत्र में पांच बाढ़ राहत शिविर क्रियाशील हैं जिनमें सदर बाजार स्थित कैंट मैरेज हॉल, एनी बेसेंट स्कूल, ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महबूब अली इंटर कॉलेज और रीगल गेस्ट हाउस शामिल हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 56 नावें संचालित की जा रही हैं, जबकि तीन मोटर बोट सेवा में लगाई गई हैं। एनी बेसेंट स्कूल में बने बाढ़ राहत शिविर में अपनी दो बेटियों- आठ वर्षीय प्रियांशी और 10 वर्षीय शिवांशी के साथ ठहरी रिशु देवी ने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि बाढ़ दोबारा आएगी। हमने निश्चिंत होकर अपने सामान घर में व्यवस्थित किए थे, लेकिन अब फिर से उन्हें छतों पर रखकर यहां रहना पड़ रहा है। वहीं इसी शिविर में मौजूद रूपा देवी ने कहा, कछार में मकान का किराया काफी कम होने के कारण हम वहां रहते हैं।

मिजोरम में भीख मांगने पर लगेगा प्रतिबंध, विधानसभा में विधेयक पारित

आइजोल/भाषा। मिजोरम विधानसभा में विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच, राज्य में भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक पारित हुआ।

राज्य की समाज कल्याण मंत्री लालरिनपुई ने बुधवार को 'मिजोरम भिक्षावृत्ति निषेध' विधेयक, 2025 सदन में पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल भीख मांगने पर रोक लगाना नहीं है बल्कि भिखारियों को स्थायी आजीविका विकल्प प्रदान करके उनकी सहायता और पुनर्वास करना भी है। उन्होंने मिजोरम में बढ़ती भिक्षावृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा राज्य बहुत भाग्यशाली है, यहां की सामाजिक संरचना, चर्चों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी के साथ राज्य में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के कारण राज्य में भिखारियों की संख्या बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सैरांग-सिहमुई रेलवे स्टेशन की शुरुआत के बाद से मिजोरम में दूसरे राज्यों से भिखारियों के आने की आशंका बढ़ जाएगी। इस रेलवे लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को करेंगे। लालरिनपुई ने कहा, सरकार का मानना है कि उचित नियामक ढांचे के माध्यम से वह राज्य को भिखारियों से मुक्त रख सकती है।

जीएसटी चोरी प्रकरण में कंपनी निदेशक और चीनी महिला न्यायिक हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से नौ करोड़ रुपए से अधिक की, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी के एक कथित मामले में गिरफ्तार एक कंपनी के प्रबंध निदेशक और उसकी चीनी सहयोगी को एक स्थानीय अदालत ने एक सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

विशेष लोक अभियोजक लक्ष्य कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने मेसर्स 'टेन टेक एलईडी डिस्प्ले प्राइवेट लिमिटेड' की जांच के दौरान कर चोरी का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि कंपनी के निदेशक विनय कुमार और चीनी नागरिक एलिस ली उर्फ ली टेंगली ने कथित तौर पर गलत कर श्रेणियों के तहत रिटर्न दाखिल किया जिससे लगभग 9.19 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की गई और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को बुधवार को मेरठ में विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दुर्गेश नंदिनी की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिंह ने बताया कि अदालत में पेशी के दौरान चीनी महिला ने अपना चेहरा ढका हुआ था। मीडिया के कैमरों से बचने की कोशिश कर रही महिला ने हंगामा किया और पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की भी की।

जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर ''भाषाई आतंक'' फैला रही है।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूचियों से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से 500 से अधिक टीम पश्चिम बंगाल में तैनात की हैं। उन्होंने रैली में कहा, आपको खुद जांच करनी चाहिए कि आपका नाम अब भी मतदाता सूची में है या उसे मतदाता सूची से हटा दिया गया है... आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपके पास आधार कार्ड हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, जब तक मैं जीवित हूं, मैं किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं दूंगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया, निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है।

सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने से हुई निक्की की मौत, निजी अस्पताल के कर्मचारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के पुलिस अधिकारियों ने निजी अस्पतालों के चिकित्सकों एवं नर्सों के हवाले से बृहस्पतिवार को कहा कि कथित दहेज पीड़िता निक्की भाटी की मौत सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने की वजह से हुई है। घटना के बाद निक्की को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जिस अस्पताल में 21 अगस्त को निक्की भाटी को ले जाया गया था, वहां से प्राप्त एक ज्ञापन के अनुसार, वह ''घर में गैस सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण गंभीर रूप से जल गई थीं'' और उसे उसके पति विपिन भाटी का फुफेरा भाई गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, निक्की को भर्ती कराने के समय वहां मौजूद चिकित्सकों और नर्सों का बयान दर्ज कर लिया गया है। निक्की ने उन्हें बताया कि गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण वह जल गई थी।

पुलिस ने कहा कि वे मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई करने से पहले बयान एकत्र कर रहे हैं। निक्की के कमरे से बरामद ज्वलनशील तरल पदार्थ को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार की मतदाता सूचियों से गरीब और वंचित वर्ग के करीब 65 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती है।

अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत सीतामढ़ी में एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने की कोशिश की जाएगी, लेकिन यहां की जनता और विपक्ष 'वोट चोरी' नहीं होने देंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 12वें दिन की शुरुआत से पहले सीतामढ़ी के प्रसिद्ध जानकी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राहुल गांधी ने सभा में कहा, अगर वोट चला जाएगा तो हिंदुस्तान के गरीब लोगों के पास कुछ नहीं रहेगा। यह शुरुआत वोट से हो रही है, वोट के बाद राशन कार्ड जाएगा, राशन कार्ड के बाद जमीन जाएगी, जमीन के बाद सारे के सारे अधिकार जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि हिंदुस्तान का पूरा धन अदाणी-अंबानी को पकड़ाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने फिर से यह दावा किया कि महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव में 'वोट चोरी' की गई। उन्होंने कहा, बिहार में 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। यह मत सोचिए कि सिर्फ नाम काट रहे हैं, यह जोड़ेंगे भी। फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ेंगे। उसी तरह से नाम जोड़ा जाएगा जैसे लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में एक करोड़ फर्जी मतदाता जोड़ दिए गए।

कांग्रेस नेता के अनुसार, महाराष्ट्र में जो भी नए मतदाता जोड़े गए, उनके सारे वोट भाजपा को मिले। उन्होंने एक बार फिर उल्लेख किया कि ''बेंगलूरु की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख से अधिक फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए थे।

मुंबई, कोहिमा, भुवनेश्वर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित; पटना, जयपुर, दिल्ली सबसे असुरक्षित : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरे हैं, जबकि पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची इस मामले में सबसे निचले पायदान पर हैं। बृहस्पतिवार को जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट एवं सूचकांक (एनएआरआई) 2025 तो कुछ यही बयां करता है।

यह राष्ट्रव्यापी सूचकांक 31 शहरों की 12,770 महिलाओं पर की गई रायशुमारी पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 फीसदी रखा गया है और शहरों को उक्त मानक से 'काफी ऊपर, ऊपर, समान, नीचे' या 'काफी नीचे' श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले कोहिमा और विशाखापत्तनम जैसे शहरों के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे का हाथ बताया गया है। वहीं, इसमें सबसे निचले पायदान पर काबिज पटना और जयपुर जैसे शहरों के खराब प्रदर्शन के लिए कमजोर संस्थागत प्रतिक्रिया, पितृसत्तात्मक मानदंडों और शहरी बुनियादी ढांचे में कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। 'एनएआरआई-2025' में कहा गया है, कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं, जिसके लिए मुख्यत: उच्च लैंगिक समानता, बेहतर बुनियादी ढांचा, पुलिस व्यवस्था और नागरिक भागीदारी जिम्मेदार है। वहीं, रांची, श्रीनगर, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर सबसे निचले स्थान पर हैं, जिसके पीछे खराब बुनियादी ढांचा, पितृसत्तात्मक मानदंड और कमजोर संस्थागत जवाबदेही जैसे कारकों का हाथ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सर्वेक्षण में शामिल दस में से छह महिलाओं ने अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने की बात कही, लेकिन 40 प्रतिशत ने अभी भी खुद को उतना सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। सर्वेक्षण से पता चला है कि रात में सुरक्षित महसूस करने की धारणा में भारी गिरावट आई है, खासकर सार्वजनिक परिवहन और मनोरंजन स्थलों में।

सुविचार

धैर्य वह शक्ति है जो आपको तब बढ़ावा देती है जब आप थक जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या चीन को ऐसे पछाड़ेंगे?

देश पर आबादी के बढ़ते दबाव को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर परिवार 'हम दो, हमारे दो' का महत्त्व समझ चुके हैं और इसका पालन भी कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों को न तो देशहित की परवाह है और न उन संतानों के भविष्य की ही, जिन्हें वे संसाधनों के अभाव के बावजूद जन्म देते जा रहे हैं। राजस्थान में उदयपुर के झाड़ोल में एक महिला द्वारा अपने 17वें बच्चे को जन्म देने का मामला हैरान करता है! इस परिवार का मुखिया खुद को बेहद गरीब बताता है। उसके पास रहने के लिए मकान नहीं है, लेकिन बच्चों की तादाद डेढ़ दर्जन तक पहुंच चुकी है। यह कोई एक मामला नहीं है। अगर ध्यान से सर्वे किया जाए तो देश के हर राज्य में ऐसे कई दंपति मिल जाएंगे, जो परिवार नियोजन की धज्जियां उड़ा रहे हैं। देश के पास जितने संसाधन हैं, उनमें प्रति दंपति दो बच्चे काफी हैं। इसके बावजूद लोग समझते क्यों नहीं हैं? क्या हम इस तरह विकसित राष्ट्र बनाएंगे? क्या अवैज्ञानिक एवं अविवेकपूर्ण प्रजनन से देश को प्रगति के पथ पर लेकर जाएंगे? क्या हम चीन को ऐसे पछाड़ेंगे? चीन को पछाड़ना है तो शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, टेक्नोलॉजी और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में पछाड़ें। सिर्फ आबादी के मामले में चीन से आगे निकल जाना कोई अक्लमंदी की बात नहीं होगी।

क्या ऐसे माहौल में जो परिवार बेतहाशा आबादी बढ़ा रहे हैं, वे देश पर समस्याओं का और बोझ नहीं लाद रहे हैं? सरकार जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। जरूर बांटे, लेकिन इससे भुखमरी व कुपोषण जैसी समस्याओं का पुख्ता समाधान नहीं होगा।

देश में रोजगार को लेकर पहले ही हालात चिंताजनक हैं। युवाओं की जवानी बेरोजगारी का दंश झेलते हुए बीत रही है। प्रॉपर्टी की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि मध्यम वर्गीय परिवार को कर्ज लेना पड़ रहा है। ट्रेनों, बसों, सरकारी अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ ही भीड़ है। कोई इन्सान सुकून से बैठना चाहे तो कहां जाए?

क्या ऐसे माहौल में जो परिवार बेतहाशा आबादी बढ़ा रहे हैं, वे देश पर समस्याओं का और बोझ नहीं लाद रहे हैं? सरकार जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। जरूर बांटे, लेकिन इससे भुखमरी व कुपोषण जैसी समस्याओं का पुख्ता समाधान नहीं होगा। सरकार अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ा रही है। जरूर बढ़ाए, लेकिन वे अपर्याप्त ही रहेंगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें अपनी शक्ति व सामर्थ्य के अनुसार रोजगार देने की कितनी ही कोशिशें कर लें, बेरोजगारी बनी रहेगी। भारत में अपराध, बेरोजगारी, महंगाई, पर्यावरण प्रदूषण जैसी कितनी ही समस्याओं की एक बड़ी वजह 'जनसंख्या विस्फोट' है। जब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, सरकारें कितनी ही योजनाएं ले आएं, कितना ही बजट बढ़ा दें, हालात 'ढाक के तीन पात' वाले ही बने रहेंगे। यह कड़वी हकीकत है। नेतागण इसे खुलकर स्वीकार नहीं कर पाते। हम सबको स्वीकार करना होगा कि बेतहाशा आबादी बढ़ाने से देश की उन्नति नहीं हो सकती। इससे गंभीर समस्याएं ही पैदा होंगी। जो लोग आयकर देते हैं, वे चाहते हैं कि उनका योगदान भारत को विकसित राष्ट्र बनाए। जब उन्हें इसके बदले न तो शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलती हैं, न साफ पर्यावरण मिलता है तो मन में आक्रोश पैदा होता है। जब वे ऐसे वर्ग को देखते हैं, जो आयकर नहीं देता, लेकिन अविवेकपूर्ण ढंग से आबादी बढ़ाता रहता है तो देश के भविष्य को लेकर चिंता होती है। दुर्भाग्य की बात है कि कुछ राजनीतिक दल ऐसे दंपतियों को जागरूक करने के बजाय उनमें अपना वोटबैंक ढूंढ़ते हैं। अगर आबादी इसी तरह बढ़ती रही तो सबको गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलना एक सपना ही रह जाएगा। अब केंद्र सरकार को कोई निर्णायक कदम उठाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। प्रदेश में बारिश से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-भजनलाल शर्मा

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बनीपार्क तथा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बनीपार्क, जयपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ अध्यापक अनुपस्थित पाए गए तथा उपस्थित अध्यापकों में से भी कुछ प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रगान में उपस्थित नहीं थे।

-मदन दिलावर

आज रोहिणी में सनातन संस्कारम रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित प्रथम भव्य श्रीरामलीला महोत्सव के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार संतोष और ऊर्जा का अनुभव हुआ। प्रभु श्रीराम सनातन जीवन संस्कृति का सार हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मन विजय से मुक्ति

आचार्य पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्य अग्निवेश सहित छह शिष्यों को आत्मा और मन का रहस्य समझा रहे थे। अग्निवेश ने पूछा कि जब मनुष्य मर जाता है तो उसकी चेतना कहां चली जाती है और जीवित रहते हुए मन, इन्द्रियों और आत्मा का आपसी संबंध क्या है। ऋषि आत्रेय ने समझाया कि मन अपने आप में अचेतन है, यह केवल साधन है। आत्मा ही इसे चेतना प्रदान करती है और कार्य कराने में सक्षम बनाती है। जीवित अवस्था में जब आत्मा शरीर में स्थित होती है तब प्राण का संचार, मन की गति, इन्द्रियों का अनुभव, इच्छा-द्वेष, सुख-दुःख, स्मृति और बुद्धि जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। अग्निवेश ने आगे प्रश्न किया कि मृत्यु के बाद क्या होता है। आत्रेय ने शांत स्वर में कहा कि मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को छोड़ देती है और शरीर मात्र पंचभूतों का ढेर रह जाता है। फिर अग्निवेश ने पूछा कि यदि ईश्वर है तो आत्मा कभी पापयुक्त योनि में क्यों जन्म लेती है, क्या उसे कोई वहां धकेलता है। इस पर आत्रेय बोले कि आत्मा को कोई बाहर से प्रेरित नहीं करता, उसके अपने ही कर्म उसे खींचकर अनिष्ट योनियों तक ले जाते हैं। धर्म उसे ऊर्ध्वगति देता है और अधर्म नीच योनियों में गिराता है। यही आत्मा की स्वतंत्रता है।

सामयिक

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल: 9416740584.

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार

प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरुबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

विचार

संसद का अनमोल समय शोर शराबे की भेंट चढ़ा

रोहित माहेश्वरी

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गईं। यानी संसद का मॉनसून सत्र समाप्त हो गया। यह सत्र काफी हंगामेदार रहा। संसद के दोनों सदनों में यह सत्र बिहार में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर जोरदार हंगामा होता रहा। संसद सत्र के दौरान करीब 190 करोड़ रुपए का खर्चा हुआ। लेकिन संसद की सार्थक कार्यवाही नहीं चल सकी। एक दिन की संसदीय कार्यवाही पर औसतन 9 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। यह राशि सांसदों की नहीं, बल्कि देश की करदाता जनता की है। हंगामे, शोर-शराबे और कार्यवाही के बार-बार स्थगन के लिए जनता पैसे क्यों दे? सदन चले अथवा स्थगित हो जाए, लेकिन सांसद को 2500 रुपए का रोजाना भत्ता जरूर मिल जाता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र में कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा जताई। उन्होंने कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। विपक्ष ने सत्र के दौरान एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा जारी रखा, जबकि उन्हें भी जानकारी थी कि संसद के भीतर चुनाव आयोग पर बहस नहीं की जा सकती। मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण चुनाव आयोग का संवैधानिक विशेषाधिकार है, लेकिन विपक्ष ने सदन के भीतर और बाहर लगातार हंगामा किया और उसे अपना संवैधानिक अधिकार बताया। उस संदर्भ में वह बार-बार दिवंगत नेता अरुण जेटली को उद्धृत करता रहा। यदि संवैधानिक अधिकार के कारण ही संसद की कार्यवाही बाधित होती रहे और अंततः उसे स्थगित करना पड़े, तो उसके नुकसान की भरपाई कौन करेगा? यह कहना अर्ध सत्य है कि सदन की कार्यवाही चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है। यह कथन तब सही है, जब कार्यवाही में विपक्ष भी लगातार भागीदार बने। तभी बहस और चर्चाएं संभव हैं, तभी विधेयकों पर सामूहिक चर्चा कर उन्हें पारित करना संभव है।

कहने को लोकसभा में 12 बिल और राज्यसभा में 14 बिल पारित किए गए। उन्हें 'हां' अथवा 'ना' के ध्वनिमत से पारित कर लिया गया। उसके लिए संसद की क्या जरूरत है? ऑनलाइन गेमिंग सरीखे बिल, जो करीब 45 करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है और करीब 20,000 करोड़ रुपए दांव पर हैं, बिना चर्चा के ही पारित कर लिए गए। इंडियन पोटस बिल 2025 और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल महत्वपूर्ण बिल थे, लेकिन वे भी बिना चर्चा के पारित कर लिए गए। यदि संसद में ऐसा ही चलना है, तो सत्र बुलाने की क्या आवश्यकता है? राज्यसभा में केवल बिल्स ऑफ लेडिंग बिल' ही पहले दिन बिना व्यवधान पारित हुआ। बाकी विधेयक शोर-शराबे या विपक्षी दलों के वॉकआउट के बीच पास किए गए। सरकार का मानना है कि विपक्ष ने खुद को गंभीर चर्चाओं से अलग कर लिया और देश हित से जुड़े अहम फैसलों का हिस्सा बनने का मौका गंवा दिया। संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका होती है। यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, जहां जनता की संप्रभुता को अभिव्यक्ति मिलती है। जन प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मगर, संसद के मॉनसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल मंडराते नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जनप्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जन सरोकार से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय यों ही जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है।

लोकसभा में इस सत्र के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे किंतु लगातार नियोजित व्यवधान के कारण 55 प्रश्नों का ही मौखिक उत्तर दिया गया। सदन की शुरूआत से पूर्व यह तय किया गया था कि 120 घंटे चर्चा होगी। कार्य मंत्रणा समिति यानी बीएसी में भी इस पर सहमति बनी थी, लेकिन (विपक्ष के) लगातार गतिरोध और नियोजित व्यवधान के कारण हम केवल 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिरला ने विपक्ष के प्रदर्शन के तरीके पर निराशा प्रकट करते हुए कहा,''जनप्रतिनिधि के रूप में हमारे आचरण, हमारी कार्यप्रणाली को पूरा देश देखता है। जनता हमें बहुत उम्मीदों के साथ चुनकर यहां भेजती है ताकि उनकी समस्याओं और व्यापक जनहित के मुद्दों, विधेयकों पर हम व्यापक चर्चा कर सकें।'' लोकसभा की उत्पादकता 31 फीसदी और राज्यसभा की 35 फीसदी रही। लोकसभा में विधायी कार्य 2.9 घंटे और राज्यसभा में 13.1 घंटे ही हो सका। संसद सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला और 21 बैठकें हुईं।

लोकसभा में 126 घंटे काम होना तय था, लेकिन 37 घंटे ही हो सका। लोकसभा में प्रश्नकाल मात्र 4.7 घंटे और राज्यसभा में 1.2 घंटे ही चला। संसद का क्या औचित्य है कि सांसद मंत्री से सवाल ही न कर सके? यह सत्र उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति के लिए भी याद किया जाएगा कि अचानक उन्हें इस्तीफा देने को बाध्य किया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति न जाने कहां छिपे हैं कि उन्होंने एक भी बयान नहीं दिया है? उन्हें विदाई पार्टी भी नहीं दी गई! 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस तो हुई और अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने 102 मिनट का सबसे लंबा भाषण दिया, लेकिन कई पहलू छूट गए। युद्धविराम किसने कराया, प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में जवाब नहीं दिया। कई बिल बिना चर्चा के पास होना कुछ सवाल खड़े करता है। यदि सांसद ही अपनी जिक्रमेदारी नहीं निभाएंगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे।

नजरिया

एक एक कदम आगे बढ़ती हिन्दी

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

हिन्दी भाषा के सामने चुनौतियों के दरवाजे कभी बन्द नहीं थे। मगर चुनौतियों से जूझती हिन्दी निरन्तर आगे बढ़ रही है। आजादी की लड़ाई के दिनों में हिन्दी' ही वह भाषा थी, जो पूरे देश के अन्दर विभिन्न भाषा भाषी स्वतंत्रता सेनानियों के बीच सम्पर्क का सेतु बनी थी। उसी समय हिन्दी को राष्ट्रभाषा' बनाने का मानस बन गया था। किन्तु इसकी राह आसान न थी, हिन्दी के मुकाबले में उर्दू एक तरह से बढ़त की स्थिति में थी। इसलिए हिन्दी सेवियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। संविधान सभा में बहस-मुबाहिसे के बीच यह स्वीकार किया गया कि राष्ट्रीय एकता और विकाश का आधार हिन्दी ही हो सकती है। इसलिए तमिल भाषी गोपालस्वामी आयंगर ने संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनने का प्रस्ताव रखा। संविधान सभा में 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को भारतीय गणराज्य की कामकाज की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। गोपालस्वामी के प्रस्ताव का अनुमोदन और समर्थन करने वाले सारे सदस्य अहिंदी भाषी थे।

इतिहास में हम पाते हैं कि हिन्दी को समाप्त करके भावी पीढ़ी को भारतीयता और अपनी जड़ों से काटने का उपक्रम पुराने समय से चला आ रहा है। सन 1192 के बाद इतिहास के राजपूत काल का अंत होता है। सन 1206 में गुलाम वंश के शासन काल में हिन्दी पर फारसी लाद दी थी। हिन्दी राजकाज की भाषा नहीं रही और पिछड़ती गई। बाद में फारसी का स्थान उर्दू ने ले लिया। लार्ड मैकाले के चार्टर ऐक्ट-1835 की भाषा नीति तो इतनी

कपटपूर्ण थी कि संस्कृत और फारसी के विद्वान भी बौद्धिक विमर्श की परिधि से निष्कासित हो गए थे। किन्तु हिन्दी अपनी बोलियों अवधी, ब्रज, मैथिली, राजस्थानी, मालवी, भोजपुरी, मागधी, छत्तीसगढ़ी, बुन्देलखंडी, बघेली आदि विविध रूपों में जन सामान्य की भाषा बनी रही।

ईस्ट इंडिया कंपनी के अंग्रेज अधिकारी जब शासक की भूमिका में आ गए तो उनको सामान्य जन से जुड़ने में भाषा की दिक्कत महसूस हुई। तब सन 1800 ईस्वी में कलकत्ता में 'फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना की गई। वहाँ लल्लूलाल और सदल मिश्र अंग्रेज अधिकारियों को हिन्दी सीखाने के लिए नियुक्त हुए। इनसे कम्पनी के अधिकारी हिन्दी सीखे और जनता से संवाद कायम करने में सफल हुए। इससे अधिक हिन्दी से अंग्रेजों को कोई मतलब भी नहीं था। हाँ, हिन्दी के सम्पर्क में आने के बाद उनको देश के भाषायी अंतर्द्वन्द्व का पता चल गया था। इसके तहत हिन्दी और उर्दू का झगड़ा खड़ा करने में अंग्रेज सदैव आगे रहे। आधिकारिक तौर पर तो हिन्दी आज भी राष्ट्रभाषा नहीं है। लेकिन राजभाषा का दर्जा उसके पास है। शुरू में कहा गया था कि हिन्दी अभी विकासमान अवस्था में है। इसके पास प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, विधि, वाणिज्य, पुरातत्व जैसे विषयों की तकनीकी शब्दावली का अभाव है। साथ ही अहिंदी भाषी कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच यह अनजान है। इसलिए हिन्दी के तत्काल व्यवहार में लाने की बात टाल दी गई।

वर्ष 1975 में राजभाषा नियम बनाए गए, जिसमें हिन्दी को लागू करने के लिए देश को 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में बाँट दिया गया। 'क' यानी हिन्दी प्रदेश, 'ख' यानी अर्द्ध हिन्दी प्रदेश और 'ग' यानी अहिंदी भाषी प्रदेश। इसके तहत 'ग' श्रेणी के प्रदेश फिलहाल हिन्दी प्रयोग में सक्षम नहीं हैं, इसलिए एक समय सीमा के अंतर्गत हिन्दी प्रयोग के लिए अपने को तैयार करेंगे। इसके बाद राजकीय कामकाज में हिन्दी के व्यवहार का मामला कई बार टलता चला आ रहा है। आज की तारीख में हिन्दी सारे देश में बोली भले नहीं जाती है, लेकिन समझी सब जगह जाती है। विभिन्न विषयों की तकनीकी शब्दावली का हिन्दी में पर्याप्त विकास हो चुका है। पड़ोसी देश नेपाल में हिन्दी बोलने वालों की संख्या नेपाली भाषियों से अधिक है। पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका में हिन्दी समझने वाले बहुत लोग हैं।

फ़िजी, गुआना, मारिसस और दक्षिण अफ्रीका में गिरमिटिया मजदूरों के वंशजों ने हिन्दी की अवधी और भोजपुरी बोली को कमोबेश बचा रखा है। हिन्दी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नम्बर पर है-यह दावा राजभाषा विभाग की पत्रिका राजभाषा भारती' में गृह राज्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में किया है। पिछले दशकों में हिन्दी का बहुत तेजी से विकास हुआ है। संगीत, विज्ञापन, सिनेमा, बाजार के क्षेत्र में हिन्दी तेजी से बढ़ी है। विश्व के डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों तथा सैकड़ों अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शोध स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है। कई देश हिन्दी में नियमित कार्यक्रम का प्रसारण करते हैं। विदेशी धरती से हिन्दी की पत्रिकाएं भी बराबर प्रकाशित हो रही हैं। गत वर्ष हिन्दी संयुक्त राष्ट्र संघ की कामकाज की भाषा के रूप में तो स्वीकार की ही गई, संयुक्त अरब अमीरात ने हिन्दी को अपने यहाँ की तीसरी अदालती भाषा की मान्यता भी दी है। स्वस्फूर्त ढंग से हिन्दी का आगे बढ़ना इसके लिए आश्वस्त करता है कि आने वाले वर्षों में हिन्दी विश्व भाषा बनकर रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रेलवे की नई परियोजनाएं बढ़ाएंगी आर्थिक विकास की रफ्तार

केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी / माल ढुलाई और यात्री सुविधाओं में होगी क्रांति

गोरखपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रेल मंत्रालय की चार महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पर कुल अनुमानित खर्च 12,328 करोड़ रुपए होगा। इन परियोजनाओं का मकसद रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करना और यातायात सुगमता में वृद्धि करना है। ये परियोजनाएं देशलपार-हाजीपीर-लूना और वायोर-लखपत नई लाइन; सिकंदराबाद (सनथनगर)- वाडी तीसरी और चौथी लाइन; भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन; फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण हैं। इन परियोजनाओं का लक्ष्य यात्रियों और माल की तेज व सुगम आवाजाही सुनिश्चित करना है। ये पहल क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाएंगी, यात्रा को और सुविधाजनक बनाएंगी, साथ ही परिवहन लागत और तेल आयात पर निर्भरता घटाएंगी। इसके अलावा, ये कार्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण-अनुकूल रेल संचालन को बढ़ावा देंगी। साथ ही, निर्माण के दौरान ये परियोजनाएं लगभग 251 लाख मानव-दिवसों का प्रत्यक्ष रोजगार भी देंगी।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

नई परियोजना से कच्छ के दूरस्थ इलाकों को रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इससे गुजरात के मौजूदा रेल तंत्र में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जुड़ेंगे। इस पर 2,526 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसे पूरा होने में तीन साल लगेंगे। इससे गुजरात में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर व बेंटोनाइट जैसे सामान का परिवहन आसान हो जाएगा। यह लाइन कच्छ के रण को जोड़ेगी। साथ ही, धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला जैसा स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी। इसके मद्देनज़र 13 नए स्टेशन जुड़ेंगे और 866 गांव और 16 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

कर्नाटक से असम तक रेल सुविधाओं का विस्तार

मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं व्यापक कनेक्टिविटी बढ़ाने का काम करेंगी। इसका लाभ लगभग 3,108 गांवों और करीब 47.34 लाख की आबादी और एक आकांक्षी जिले (कलबुर्गी) को मिलेगा। ये परियोजनाएं कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम तक रेल सुविधाओं का विस्तार करेंगी। सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी के बीच 173 किमी की तीसरी और चौथी लाइन का काम पांच साल में पूरा होगा। इस पर 5,012 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बिहार में भागलपुर-जमालपुर के बीच 53 किमी की तीसरी लाइन तीन साल में तैयार होगी। इस पर 1,156 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसी तरह, 194 किमी लंबी फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण परियोजना चार साल में पूरी होगी। इस पर 3,634 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी

रेल लाइनों की क्षमता में बढ़ोतरी होने से आवागमन में बहुत सुधार होगा। इससे रेलवे की कार्यकुशलता और सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बदलाव आएगा। इन योजनाओं से रेल संचालन को सुविधाजनक बनाने के साथ भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण को साकार करेंगी और रोजगार के अवसर सृजित करेंगी। पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गईं ये परियोजनाएं समन्वित योजना और हितधारकों के परामर्श से मल्टी-मॉडल संपर्क व लॉजिस्टिक्स कुशलता को बढ़ाने का लक्ष्य रखती हैं। गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम के दर्जनभर जिलों को जोड़ने वाली इन परियोजनाओं से मौजूदा नेटवर्क में करीब 565 किमी का विस्तार हो जाएगा।

14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर फायदा!

ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश, स्टील, कंटेनर, उर्वरक, कृषि उत्पादों और पेट्रोलियम पदार्थों जैसे सामानों की ढुलाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कार्यों से क्षमता में वृद्धि होने से हर साल 68 मिलियन टन अतिरिक्त माल का परिवहन होगा। ये परियोजनाएं जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होंगी। इनके जरिए लॉजिस्टिक खर्च में कमी आएगी, तेल आयात में 56 करोड़ लीटर की कटौती संभव होगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 360 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी। इस तरह ये परियोजनाएं लगभग 14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर फायदा देंगी। ये भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज करेंगी।

चीन की विजय दिवस परेड में पुतिन, किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता भाग लेंगे

बीजिंग/भाषा। चीन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि तीन सितंबर को होने वाले देश के विजय दिवस समारोह में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता शामिल होंगे।

चीन इस समारोह को ''द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई'' बताता है। इस परेड में विदेशी नेताओं की मौजूदगी को लेकर जापान और चीन के बीच कूटनीतिक तनातनी हो गई है, क्योंकि टोक्यो ने विश्व नेताओं से इस आयोजन में शामिल न होने की अपील की थी। उसका कहना है कि इसमें ''जापान-विरोधी भावनाएं'' झलकती हैं।

चीन ने जापान के इस अनुरोध पर नाराजगी जताते हुए कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है।

चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने बृहस्पतिवार को यहां घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के आमंत्रण पर 26 विदेशी नेता विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन नेताओं में पुतिन और किम भी शामिल हैं।होंग ने कहा, तीन सितंबर को चीन एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन करेगा, जो चीनी जनता के जापानी आक्रमण के खिलाफ युद्ध और फासीवादी विरोधी विश्व युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित होगा। यह परेड 31 अगस्त और एक सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद बीजिंग में आयोजित होगी। पिछले हफ्ते, चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने बताया था कि 20 विश्व नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद तियानजिन में इस सम्मेलन में भाग लेंगे। चीन का प्रयास है कि एससीओ सम्मेलन में आए नेताओं को अपनी परेड में भी शामिल किया जाए। इसी से जापान नाराज है। जापानी समाचार एजेंसी 'क्योदो' ने मंगलवार को बताया कि जापान ने अपने विदेशी दूतावासों के माध्यम से अन्य देशों को संदेश दिया है कि चीन का यह आयोजन ''जापान-विरोधी भावनाएं'' दर्शाता है और नेताओं को भागीदारी पर सावधानी से विचार करना चाहिए।

यूक्रेन संघर्ष 'मोदी का युद्ध' है : व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो ने लगाया आरोप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन संघर्ष ''मोदी का युद्ध'' है और ''शांति का मार्ग'' आंशिक रूप से ''नई दिल्ली से होकर'' गुजरता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार नवारो ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि ''भारत, रूसी युद्ध मशीन को मदद पहुंचा रहा है। नवारो ने कहा, भारत जो कर रहा है, उसका खमियाजा अमेरिका में हर कोई उठा रहा है। उपभोक्ता, व्यवसाय और हर चीज को नुकसान हो रहा है और मज़दूर भी नुकसान उठा रहे हैं क्योंकि भारत के ऊंचे शुल्क की वजह से हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और ऊंचे वेतन वाली मजदूरी छिन रही है, और फिर करदाताओं का भी नुकसान हो रहा है, क्योंकि हमें मोदी के युद्ध का वित्तपोषण करना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका मतलब ''पुतिन का युद्ध'' है, तो नवारो ने दोहराया कि यह ''मोदी का युद्ध'' है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब मोदी का युद्ध है, क्योंकि शांति का रास्ता आंशिक रूप से नई दिल्ली से होकर जाता है। ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जो बुधवार से प्रभावी हो गया है। इसके साथ ही अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। नवारो ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाना ''बहुत आसान'' है और इसके लिए नई दिल्ली को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी करने वाले हमलावर के हथियार पर लिखा था 'न्यूक इंडिया'

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। मिनियापोलिस के एक कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी कर दो बच्चों की हत्या करने वाले हमलावर की एक बंदूक पर 'न्यूक इंडिया' लिखा था। हमलावर द्वारा इस्तेमाल किए गए कथित हथियारों की वीडियो फुटेज से यह बात सामने आई। मिनेसोटा निवासी 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन नामक हमलावर ने बुधवार को एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी की। इस हमले में आठ और 10 साल के दो बच्चों की मौत हो गई तथा 17 लोग घायल हो गए। इसके बाद वेस्टमैन ने कथित तौर पर खुद को भी गोली मार ली। ऑनलाइन प्रसारित वीडियो फुटेज में वेस्टमैन अपने पास मौजूद कारतूस, राइफल और बंदूकों को प्रदर्शित करता दिखता है। इनमें से एक बंदूक पर सफेद रंग से 'न्यूक इंडिया' लिखा हुआ है। पत्रकार लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मिनेसोटा के हमलावर ने अपनी बंदूक पर ''माशाअल्लाह'' और ''न्यूक इंडिया'' लिखा हुआ था।

बेंगलूरु गणेश उत्सव के 63वें संस्करण का शानदार आगाज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु गणेश उत्सव (बीजीयू) का 63वां संस्करण आध्यात्मिक उत्साह के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन पुष्प अलंकार सेवे और आरती बीट गुरु के 200 तालवादकों की शक्तिशाली ताल के साथ जीवंत हो उठे। इसके बाद अयाना डांस कंपनी द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया, जिसमें लय, भक्ति और कलात्मकता के साथ 11 दिनों के समारोह की शुरुआत की गई।

प्रसिद्ध गायिका एमडी पल्लवी ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने

सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री विद्यारण्य युवक संघ द्वारा आयोजित बीजीयू इस शहर की सांस्कृतिक धड़कन है। बसवनगुडी में एपीएस कॉलेज ग्राउंड्स और नेशनल कॉलेज ग्राउंड्स में भक्ति, संगीत और भोजन आध्यात्मिक भावना को मजबूत करते हैं। आने वाले दिनों में क्रेजी स्टार रविचंद्रन, विजय प्रकाश, रघु दीक्षित, विजय येसुदास, प्रवीण गोडखिंडी के प्रदर्शन तथा लक्ष्मी और इंदु नागराज, सूर्या गायत्री, पंडित वेंकटेश कुमार सहित अन्य लोगों की भक्तिमय प्रस्तुतियां होंगी। विशेष आकर्षणों में 31 अगस्त को महिलाओं द्वारा सामूहिक गणेश पंचरत्न गायन और नृत्य प्रस्तुति शामिल हैं।

अनावरण

सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत नई दिल्ली में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की भारतीय जर्सी के अनावरण के दौरान।

अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल

नई दिल्ली/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा अक्षरा सिंह आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। चाहे उनके गाने हों, फिल्मों की बातें हों या फिर उनका स्टाइलिश अंदाज, फैंस उन्हें हर रूप में काफी पसंद करते हैं। अक्षरा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी नई-नई तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

मंगलवार को उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उनकी सादगी के कायल हो रहे हैं। इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में अक्षरा सिंह पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। सूट पूरा प्रिंटेड है, उस पर पत्तियां और फूल बने हुए हैं, जो देखने में बेहद ही प्यारा लग रहा है। उन्होंने माथे पर छोटी सी बिंदी लगाई हुई है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रही है। कानों में झुमके और खुले बाल उनके ट्रेडिशनल अंदाज को खास बना रहे हैं। ये तस्वीरें किसी झील के किनारे खींची गई हैं, जहां अक्षरा बड़ी शांति और सादगी के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए अक्षरा

ने कैप्शन में लिखा, सूट वाली सिंपलसिटी। अक्षरा सिंह का ये सिंपल लेकिन शानदार लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनके पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, 'आप तो परी लग रही हैं!' दूसरे फैन ने लिखा, 'ये सादगी बहुत खास है, दिल छू गई!' कुछ फैंस ने तो दिल और फायर वाले इमोजी से अपना प्यार जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आपका हर अंदाज निराला है, ट्रेडिशनल लुक में भी आप गजब लगती हैं! कई लोग अक्षरा की मुस्कान की तारीफ करते नहीं थक रहे। एक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, झील के पानी से भी ज्यादा साफ और सुंदर तो आपकी तस्वीर लग रही है!

'मिराई' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पीपल मीडिया फैक्ट्री और टी.जी. विश्व प्रसाद की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया स्पेक्टेकल मिराई, जिसका निर्देशन कार्तिक गट्टमनेनी ने किया है और जिसमें तेजा सज्जा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, 2025 की सबसे बड़ी सिनेमाई प्रस्तुतियों में से एक बनने जा रही है। फिल्म के एड्रेनालिन-पंपिंग टीज़र से लेकर चार्टबस्टर गानों तक, अब तक की हर झलक ने सोशल मीडिया पर ज़बरदस्त हलचल मचा दी है। और अब, मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि मिराई का ट्रेलररिलीज़ किया गया । पहले फिल्म 5 सितंबर को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब यह एक हफ़्ता बाद 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उत्साह को और बढ़ाते हुए, करण जौहर और धर्मा प्रोडक्शंस भी फिल्म के आधिकारिक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर के रूप में जुड़ गए हैं, जिससे फिल्म की पैन-इंडिया पहुंच और भी मजबूत हो गई है।

2024 की ऐतिहासिक हिट हनुमान के बाद, तेजा सज्जा एक बार फिर निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी के साथ इस हाई-ऑक्टेन एडवेंचर में लौट रहे हैं। टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्मित मिराई में मिथक, एक्शन और अत्याधुनिक विजुअल्स का अद्भुत संगम है, जो दर्शकों को एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। कहानी एक निडर योद्धा की यात्रा को दर्शाती है, जिसे नौ पवित्र ग्रंथों की रक्षा के लिए चुना जाता है, और यह गाथा विरासत और भव्यता को एक साथ जोड़ती है। फिल्म में मांचू मनोज, रितिका नायक, जगपति बाबू और श्रिया सरन जैसे दमदार कलाकार भी शामिल हैं, जो इस महागाथा में गहराई और तीव्रता जोड़ते हैं। वहीं, संगीतकार गौरा हरी का दिल को छू लेने वाला स्कोर एक्शन और भावनाओं दोनों को और प्रभावी बनाने के लिए तैयार है। अपनी भव्यता, विज़न और स्टार पावर के साथ, मिराई भारतीय सिनेमा में एक्शन-एडवेंचर स्टोरीटेलिंग की परिभाषा को नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिना कट के रिलीज होगी योगी आदित्यनाथ पर आधारित फिल्म

मुंबई/भाषा

मुंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर कथित रूप से आधारित एक फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाने का हवाला देते हुए इसकी रिलीज को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने सेंसर बोर्ड को फिल्म 'अजय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' को प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया और कहा कि इसे बिना किसी संपादन के रिलीज किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अदालत ने फिल्म देखी है और इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। 'द मॉन्क ह्यू बिकेम चीफ मिनिस्टर' किताब से प्रेरित इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रमाणित करने से इनकार करने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। सीबीएफसी ने कई आपत्तियां उठाईं, जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र न जमा करना भी शामिल है।

सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कई दृश्यों व संवादों पर आपत्ति जताई थी और निर्माताओं से उन्हें संपादित करने को कहा था। पीठ ने सीबीएफसी के आदेश को खारिज कर दिया। सीबीएफसी ने फिल्म में कुछ काट-छांट करने और संपादन की सिफारिश की थी। फिल्म निर्माताओं के वकील रवि कदम और अधिवक्ता सत्या आनंद व निखिल अराधे ने कहा कि फिल्म में तीन पंक्तियों का एक डिस्क्लेमर शामिल किया गया था, जिसमें कहा गया था कि फिल्म काल्पनिक है और वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया।

ईशा कोप्पिकर ने बेटी रिआना के साथ गणपति बप्पा का किया स्वागत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर की भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा केवल रस्मों-रिवाज़ों तक सीमित नहीं है। यह एक निजी, भावनात्मक और उनके रोज़मर्रा के जीवन में गहराई से रचा-बसा रिश्ता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी के मौके पर, ईशा अपने दिल से जुड़ी कुछ खास बातें साझा करती हैंकि कैसे वह बप्पा को केवल अपने घर में नहीं, बल्कि अपने दिल और दिनचर्या में भी स्थान देती हैं। उनके उत्सव को विशेष बनाता है उनका बप्पा के प्रति सच्चा प्रेम।

इतना कि वह उन्हें खाने की मेज़ पर भी अपने साथ बैठाती हैं, जैसे वह परिवार के एक सच्चे सदस्य हों। ईशा बताती हैं, मैं हमेशा चाहती हूं कि बप्पा मेरे पास रहें। मैंने उनके लिए अपने पास एक छोटा-सा बिस्तर बनाया है, जहां वह रात को सोते हैं। और हर सुबह, स्नान के बाद, मैं उन्हें प्रेम से उनके आसन पर बिठाती हूं। मेरा बप्पा से रिश्ता इतना निजी है।

जहाँ कई भक्त डेढ़ दिन के पारंपरिक विसर्जन का विकल्प चुनते हैं, वहीं ईशा ने इस वर्ष बप्पा को पूरे तीन दिनों तक अपने घर में विराजमान रखने का निर्णय लिया है। वह बताती हैं, मुझे पता है कि तीन दिन का कोई निश्चित नियम नहीं है, लेकिन मैंने यही तय किया है।

मैं अपनी बेटी रियाना के साथ अकेली रहती हूँ, और पिछले साल मैंने सब कुछ अकेले संभाला था। इस साल हम इसमें और अधिक प्रेम और समय जोड़ रहे हैं। इस बार हमने जंगल थीम चुनी है, और मेरा बप्पा इस बार हरियाली से घिरे शांत वातावरण में रहेंगे। ईशा का गणेशोत्सव से जुड़ाव बचपन से है। वह याद करती हैं, स्कूल से लौटते ही तुरंत बाद मैं परफॉर्मेंस की रिहर्सल में कूद पड़ती थी। बप्पा के आने से पहले, माँ और मैं साथ बैठकर दस नारियल रंगते थे। यह परंपरा आज भी जारी है। जब उनसे पूछा गया कि गणपति उत्सव के और कौन से ख़ास पल उन्हें याद हैं, तो उन्होंने बताया कि इस उत्सव में उनके और उनकी बेटी रिआना के बीच क्या-क्या अलग-अलग व्यक्तित्व उभरकर सामने आते हैं।

ईशा आगे कहती हैं, मेरी बेटी शर्मीली है, और मैं हमेशा एनर्जी से भरपूर रहती हूँ। जब मैं उत्सव के दौरान गाती और नाचती हूँ, तो वह अक्सर मुझे आश्चर्य से देखती रहती है। यह विपरीत स्वभाव ही इस उत्सव को और खास बना देता है। ईशा का गणेश चतुर्थी से रिश्ता और भी गहरा है। वह बताती हैं कि उनका जन्म ठीक उसी दिन हुआ था जब गणपति विसर्जन होता हैजिस दिन हर कोई नम आँखों से बप्पा को विदा करते हैं, लेकिन अगले साल फिर आने का वादा भी लेते है। ईशा कहती हैं, इसीलिए मेरा नाम ईशा रखा गया, जिसका अर्थ देवी होता हैबिल्कुल पार्वती माँ की तरह, जो बप्पा की माँ हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 29-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी एवं साध्वी श्री तत्वलयाश्रीजी म सा की निश्रा में तपस्वियों की शोभायात्रा निकाली गई।

गणेश उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री एवं महादेवपुरा विधानसभा से पूर्व विधायक अरविंद लिम्बावली गुरुवार को बेलन्दूर स्थित विनायक मित्र मंडल के 27वें गणेश महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए तथा भगवान गणेश की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मंडल व बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ की ओर से उनका सम्मान किया गया। संघ द्वारा करीब एक हजार लोगों को प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर अनेक व्यापारी उपस्थित थे।

संवत्सरी का दिन शुद्धिकरण का दिन होता है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानी यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित ज्ञानमुनिजी ने कहा कि पर्युषण पर्व त्याग, भक्ति, तपस्या और आत्म शुद्धि की प्रेरणा देता है। जहां शुद्धता होती है वहां मेहमान आते हैं लेकिन जहां मन शुद्ध होता है वहां भगवान आते हैं। यह पर्व मनुष्य को शुद्ध करने के लिए आया है। जो सरल होते हैं सहज होते हैं वहां धर्म टिकता है और वहीं भगवान आते हैं। अज्ञानता को दूर कर ज्ञान का दीप जला लेना चाहिए, जिसके मन मंदिर में प्रभु बस जाते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है। भगवान से प्रार्थना करना बहुत अच्छी बात है। इस भव से पार करने के लिए तप करना होगा। संतश्री ने कहा कि तप त्याग करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार इस मार्ग पर चल देने से कई भव सुधर जाते हैं। शूरवीर ही तप तपस्या कर सकते है। आज के समय में लोग अपने खाने पीने पर नियंत्रण ही नहीं कर पाते हैं लेकिन महान लोगों ने हर चीज पर नियंत्रण किया और जीवन को सुधार लिया। स्वाद छोड़ो और तपस्या करो। संवत्सरी का यह पर्व मनुष्य को कषाय से दूर करने के लिए आता है। कषाय की वजह से अगर किसी का दिल दुखाया है तो उससे माफी मांग लेनी चाहिए। संवत्सरी का दिन शुद्धिकरण का दिन होता है। आत्मा मन अगर शुद्ध हो गया तो कषाय अपने आप ही दूर हो जाएगा। ङ्संतश्री ने पंडित गुरुदेव चौथमल जी की जयंती के मौक़े पर कहा कि चौथमल जी ने कषाय पर विजय प्राप्त की थी। उनकी बुद्धि तीव्र नहीं थी लेकिन धीरे धीरे सब कुछ सिखा। बाद में ऐसी बुद्धि खुली कि घोर विद्वान बन गए। वह बहुत ही सरल, शांत और गंभीर थे। ऐसे महान संत के जीवन से सिख कर मानव जीवन से पार कर लेना चाहिए। गुरुवार को संघ के तत्वावधान में बड़ी संख्या में तपस्या के प्रत्याख्यान हुए। सभी लोगों से सांवत्सरिक क्षमापना की एवं तपस्या की मंगल कामना की। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

अहिंसा और मैत्री का पर्व है संवत्सरी : आचार्य प्रभाकरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी एवं साध्वी श्री तत्वत्रयाश्रीजी म सा की निश्रा में तपस्वियों की शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर आचार्यश्री ने तपस्या के महत्व को समझाते हुए कहा कि 'अटको नहीं, मटको नहीं, भटको नहीं, सिर्फ तप करो, जब जागो तब सवेरा है। जवानी और बचपन में धर्म करना चाहिए। मनुष्य जन्म को सार्थक बनाने के लिए तप करो। जीवन को सार्थक करना है तो सभी को तप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहिंसा और मैत्री का पर्व है संवत्सरी। संवत्सरी पर्व पर जैन धर्मावलंबी जाने-अनजाने हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगते हैं।

जैन धर्म की परंपरा के अनुसार पर्युषण पर्व के अंतिम दिन क्षमापना दिवस पर सभी एक-दूसरे से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं। क्षमापना से चित्त में अह्लाद का भाव पैदा होता है और आह्लाद भावयुक्त व्यक्ति मैत्री भाव उत्पन्न कर लेता है और मैत्री भाव प्राप्त होने पर व्यक्ति भाव विशुद्धि कर निर्भय हो जाता है। व्यक्ति को कटुता आने पर उसे तुरंत ही मन में साफ कर देनी चाहिए और संवत्सरी पर अवश्य ही साफ कर लेना चाहिए।

पर्युषण महापर्व जैन धर्मावलंबियों में आत्मशुद्धि का पर्व है। इस तरह पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि के साथ मनोमालिन्य दूर करने का सुअवसर प्रदान करने वाला महापर्व है। इस मौके पर संघ द्वारा सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया।

सिद्धितप तपस्वियों का वरघोड़ा निकाला गया

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में आचार्य उदयप्रभसूरीश्वरजी व साध्वी कीर्तनप्रभजी के सान्निध्य में गुरुवार को सिद्धि तप के तपस्वियों का वरघोड़ा निकाला गया। सभी तपस्वियों ने नजरबाद स्थित आदेश्वर वाटिका के आदिनाथ जिनालय में प्रभु के दर्शन किए। वरघोड़ा में कर्नाटक सीरवी समाज नवयुवक गैर मंडल हल्लदकेरी के अध्यक्ष जयराम सीरवी के नेतृत्व में सदस्यों ने गैर नृत्य की प्रस्तुति दी। वरघोड़ा ने आदेश्वर वाटिका के चारों ओर परिक्रमा लगाकर विनीता नगरी में प्रवेश किया। सभी तपस्वियों का पारना लाभार्थी चैलराज, विकासकुमार पोरवाल परिवार की ओर से कराया गया। इस मौके पर आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष रमेश कुमार श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष बाबूलाल मेहता, सचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष भोजराज पोरवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

क्षमा सबसे श्रेष्ठ आराधना और मानसिक शक्ति का राज है : साध्वी शशिप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में एवं साध्वी शशिप्रभा जी के सान्निध्य में महावीर भवन में सामूहिक क्षमापना का आयोजन हुआ। महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। श्रीपाल बांठिया, सुरेन्द्र बेताला, हितांशा मुथा ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने पर्युषण पर्व आराधना की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष 60 से ज्यादा अट्ठाई की तपस्या हुई। इससे पूर्व संवत्सरी पर्व पर अपने प्रवचन में साध्वी शशिप्रभा जी ने कहा कि समय मूल्यवान है। समय का सदुपयोग करने वाला बुद्धिमान होता है। अवसर मिलता है तो तुरंत लाभ उठा लेना चाहिए। अंतगड सूत्र का विवेचन करते हुए कहा कि क्षमा सबसे श्रेष्ठ आराधना है और मानसिक शक्ति का राज है। क्षमा का दिखावा अनुचित है। साधना के क्षेत्र में शेरनी जैसे कूदना पड़ना चाहिए। वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रतिक्रमण करने के पहले प्रतिक्रमण को समझना जरूरी है। मात्र उच्चारण से आत्मा पर लगे पाप हल्के नहीं होते हैं। प्रतिक्रमण करके आनंद और शांति की अनुभति होनी चाहिए। साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने आगम वाचन किया और साध्वीश्री निपुणप्रभा जी ने संवत्सरी पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। सभी तपस्वियों का संघ की ओर से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया। अभय कुमार बांठिया ने देवसीय प्रतिक्रमण कराया। सामूहिक क्षमापना आयोजन में संघ की ओर से वर्षीतप आराधकों का, शिक्षा क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जीवदया के लिए सहयोग राशि भी एकत्रित की गई।

सत्संग, साधना करने से होती है मन की शुद्धि : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि धर्म स्थान का भाव है कि मन में ही धर्म का निवास हो। धन, विद्या, संपत्ति, रूप, पदवी इन सबसे बढ़कर धर्म है। उन्होंने कहा कि क्षमा और सत्य से ऊपर कोई धर्म नहीं। धर्म स्थान का अर्थ है जहाँ साधना का कार्यक्रम बने। आगे उन्होंने कहा कि सत्संग, साधना करने से मन की शुद्धि होती है। मुनिजी ने कहा कि धर्म केवल धर्म स्थान में ही नहीं, बल्कि सभी स्थानों पर होता है। सत्संग में समय बिताने से जीवन का कल्याण होता है, लेकिन यदि जीवन विषय-विकारों में बीतता है, पैसा मौज-मस्ती में खर्च होता है और समय कुसंगति में गुजरता है, तो जीवन व्यर्थ है, इसलिए जवानी, धन और समय का सदुपयोग करके जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

जिस प्रकार वॉशिंग मशीन में कपड़े साफ होते हैं, उसी प्रकार सत्संग से जीवन पवित्र होता है। उन्होंने कहा कि यदि दुखों से मुक्ति चाहते हो, तो धर्म की शरण में आना होगा। धर्म आत्मा की चीज़ है, जब तक हृदय में धर्म नहीं आएगा, कल्याण नहीं होगा। दान करने के पीछे कोई कामना नहीं होनी चाहिए, क्योंकि कामना करने से फल कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि आज धर्म को अपनाने के बजाय धर्म का दिखावा किया जा रहा है। धर्म पगड़ी के समान और धन जूते के समान है, पर आज इंसान ने उल्टा कर रखा है, धन को सिर पर उठा लिया है और धर्म को बेकार समझ बैठा है। लेकिन यदि सच्चे मन से धर्म किया जाए, तो आत्मा का कल्याण हो जाता है। रूपेश मुनि जी ने एक बहुत ही मधुर भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी ने सभा की समाप्ति मंगल पाठ के साथ की।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में संवत्सरी पर्व त्याग और तपस्या से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में संवत्सरी महापर्व त्याग और तपस्या से मनाया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली एवं तनसुखराज गुलेच्छा ने प्रवचन के दौरान साधु साध्वियों से क्षमायाचना की। मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि जब पुण्योदय होता है तभी पर्व दिनों में तपस्या की जा सकती है। गुरुदेव ने परमात्मा महावीर की मूलवाणी के साढ़े बारह सौ सूत्रों का धाराप्रवाह वांचन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जो भी श्रावक-श्राविकाएं बारसा सूत्र का श्रध्दा से श्रवण करता है वह आगामी भवों में मोक्ष मार्ग को पा जाता है। इस सूत्र में कल्पसूत्र का सार छिपा है। बारसा सूत्र में तीर्थंकरों के संपूर्ण चौबीस तीर्थंकरों के आचार विचार, वीर प्रभु की पट्टावली, साधु साध्वियों के आचार विचार आदि का वर्णन प्रकृत भाषा में आता है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि गुरुवार को संतों द्वारा प्रत्याख्यान करवाया गया। ललित डाकलिया ने बताया कि सूत्र वांचन से पूर्व जिनवाणी की पांच ज्ञान की पूजा की गई।संघ के अनेक सदस्यों ने अनेक प्रकार की तपस्याएं की। सांवत्सरिक प्रतिक्रमण के पश्चात सभी एक दूसरे से क्षमायाचना की। महापर्व के पश्चात प्रातः द्वार उद्घाटन का लाभ प्रदीपकुमार वरुणकुमार खींवसरा परिवार ने लिया।

क्षमा करना और क्षमा मांगना वीरों का आभूषण है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन में पर्युषण पर्व के प्रवचन में कहा कि साधारण सोच वाला व्यक्ति न तो क्षमा कर सकता है और न ही क्षमा मांगने हेतु तत्पर होता है। क्षमा वीरों को शोभती है। वीर ही क्षमा कर सकता है और वीर ही क्षमा मांगता है। उन्होंने कहा कि क्षमा आत्मा में लगे हुए द्वेष भाव की गंदगी को मिटाने वाला साबुन है, जिसके हृदय में क्षमा का वास है, वहां पर धर्म का वास है।

क्षमा आत्मा को सरल एवं शुद्ध बनाती है और शुद्ध हृदय में परमात्म गुणों का वास होता है। साध्वी धैर्याश्री ने क्षमापना के भावों से ओतप्रोत सुंदर गीतिका के गान से सभी को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर तपस्वी बाबूलाल बाफना का, मासक्षमण तपस्या के उपलक्ष्य में संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली व अन्य पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

अमेरिकी धौंस के खिलाफ डटे रहने की जरूरतः मारुति चेयरमैन भार्गव ने अमेरिकी शुल्क पर कहा

नई दिल्ली/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश को शुल्क के मामले में अमेरिका की धौंस के आगे झुकना नहीं चाहिए। देश को अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए और एकजुट होना चाहिए। कंपनी की 44वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने अमेरिकी शुल्क के कारण हाल के महीनों में वैश्विक अनिश्चितता के बारे में बात की। भार्गव ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मायनों में देशों को अपनी पारंपरिक नीतियों एवं संबंधों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। कूटनीति में शुल्क का व्यक्तिगत इस्तेमाल पहली बार देखने को मिल रहा है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का 50 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी हो गया। इससे ज़ींगा, परिधान, हीरे, चमड़ा एवं जूते चप्पल तथा रत्न व आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निर्यात तथा रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

अन्नदाता है वो

आख़िरी साँस तक प्रण निभाता है वो ,
प्राण रक्षक है वो, अन्नदाता है वो।

देखकर लहलहाती फसल खेत में,
भूलकर सारे दुख, खुश हो जाता है वो।

गाँव की सभ्यता का है वो सारथी,
नाचता है कभी, साल्हो गाता है वो।

अपनों के पेट की आग को छोड़कर ,
आग सबकी, हमेशा बुझाता है वो।

पाँव पे लाख छाले पड़े हों मगर ,
बोझ दुनिया का, सर पे उठाता है वो।

भूख मिटने से ही चलती हैं धड़कनें,
सच कहें तो, जगत का विधाता है वो।

राज़ कह देती हैं चेहरे की झुर्रियाँ,
दर्द अपना, सभी से छिपाता है वो।

उम्रभर के लिए भुखमरी, त्रासदी
सोचिए बदले में, क्या ही पाता है वो।

इतना 'नवरंग' होता नहीं अन्न भी ,
घर चलाने की ख़ातिर कमाता है वो।

■ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

क्षमा देने वाला महान होता है : मुनिश्री पुलकित

फ्रीडम पार्क में संवत्सरी क्षमापना महापर्व आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर फ्रीडम पार्क में तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में संवत्सरी क्षमापना महापर्व का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलकित कुमारजी ने कहा कि क्षमा का भाव दूषित मन को शुद्ध एवं पवित्र बनता है। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करता है। श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने स्वयं क्षमाशील जीवन जीया और क्षमता को धारण करने की प्रेरणा दी। मुनिश्री ने संवत्सरी क्षमापना महापर्व का महत्व बताते हुए कहा मन की उलझनों को सुलझाने का यह महान पर्व है। वैर भाव तथा वैमनस्य की ग्रंथियों को मिटाने का यह महापर्व है। वर्ष भर में किसी के प्रति मनमुटाव हुआ हो तो उसे दूर करने का यह शुभ अवसर जैन धर्म में महत्वपूर्ण बताया है।

क्षमा को धारण करने वाला ही महान और भगवान बन सकता है। आदित्य कुमार ने क्षमापना दिवस गीत का संगान किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने बताया कि मुनिश्री के सान्निध्य में 85 अठाई तथा 10 मासखमण तपस्या की आराधना उत्साह से संपन्न हुई। कार्यक्रम में दीक्षार्थी प्रीत कोठारी, प्रज्ञा संगीत सुधा मंडली, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ कन्या मंडल गांधीनगर, अणुव्रत समिति, पौषध आराधिकाओं ने गीत प्रस्तुत किया। रेणु कोठारी तथा उपासक छतर सिंह मालू ने प्रेक्षा ध्यान प्रयोग करवाया। ज्ञानशाला के अमीचंद खाटेड़, गौतम डोसी के नेतृत्व में श्रमण संस्कृति संकाय के ज्ञानार्थियों ने प्रतिक्रमण करवाया।

पर्युषण पर्व के समस्त व्यवस्थाओं तथा पारणा प्रायोजक नाहर परिवार की सराहना की। इस अवसर पर प्रकाश लोढ़ा, रजत बैद, प्रसन्न धोका, नवनीत मुथा आदि ने विचार व्यक्त किए।

स्वाध्याय भवन में पर्युषण पर्व आराधना व अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। स्थानीय जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ कर्नाटक के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन में पर्युषण पर्व आराधना और सांवत्सरिक क्षमापना का आयोजन किया गया। उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने बताया कि स्वाध्यायी प्राचार्य प्रकाशचंद जैन ने कहा कि क्रोध, मान, माया और लोभ रूपी कषायों से मुक्ति को ही उत्कृष्ट साधना का राजमार्ग बताते हुए प्रेरणादायक उद्बोधन में मार्मिक अपील की। उन्होंने कहा कि क्रोध के परिणामों पर क्षणिक चिंतन मात्र से ही क्रोध को शिथिल या कम किया जा सकता है।आत्मा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कषायों की तुच्छता से वाकिफ होकर अ-कषायी बनने का सार्थक प्रयास ही श्रावक के लिए श्रेयस्कर है। प्राचार्य प्रकाश जैन, स्वाध्यायी कांता जैन और ज्योति जैन के सान्निध्य में श्राविका मंडल की संरक्षक मंजू भंडारी, प्रमिला भंडारी, सुशीला भंडारी, गुणवंती सांखला, युवक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष सांखला के सहकार से अंतगढ़ दशासूत्र का रोचक व्याख्यान दिया। पर्युषण पर्व पर धर्म आराधना, तपस्या एवं सामायिक संवर व प्रार्थना, प्रवचन, प्राकृत भाषा के शिविर, कषायों पर नाटिका का मंचन भी हुआ।ङ्मुमुक्षु प्रतीक्षा ने आचार्य महेंद्र मुनि के गुणों की स्तुति की। उन्होंने प्रतिक्रमण पर दृष्टान्तों के साथ सामयिक व्याख्यान में 5 प्रकार के प्रतिक्रमण से अवगत कराया संचालन उपाध्यक्ष गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने स्वागत करते हुए संघ और संगठन की महिमा पर प्रकाश डाला।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com